epaper.dehatsandesh.com

3 लड़कियों के रोमांचक फाइनल के साथ हुआ पीर पंचाल खो-खो टूर्नामेंट का समापन

5 बिहार भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी देगा: महेश भूपति

8 अर्थव्यवस्था में पशुधन एवं पशुपालन का महत्वपूर्ण स्थान

मौसम जम्मू
न्यूनतम 12
अधिकतम 23

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-51 | जम्मू तवी, सोमवार 24 फरवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत अंतरिक्ष के क्षेत्र में नीत नई उंचाईयों को छू रहा: मोदी

नयी दिल्ली 23 फरवरी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले महीने देश भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सौवें राकेट लांच का साक्ष्य बना है जो केवल एक नंबर नहीं है बल्कि अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नीत नई उंचाईयों को छूने के हमारे संकल्प का पता चलता है।

श्री मोदी ने अपने मन की बात मासिक कार्यक्रम में आज कहा कि पिछले महीने देश इसरो के सौवें राकेट लांच का साक्ष्य बना है जो केवल एक नंबर नहीं है बल्कि स्पेस विज्ञान के क्षेत्र में नीत नई उंचाईयों को छूने के हमारे संकल्प का भी पता चलता है। हमारे स्पेस जर्नी की शुरुआत बहुत ही सामान्य तरीके से हुई थी। इसमें कदम कदम पर चुनौतियां थी लेकिन हमारे वैज्ञानिक विजय प्राप्त करते हुए आगे बढते ही गये। समय के साथ अंतरिक्ष की इस उड़ान में हमारी सफलता की सूची लंबी होती चली गई।

उन्होंने कहा कि लांच व्हीकल का निर्माण हो, चंद्रयान की सफलता हो,

मंगलयान हो, आदित्य एल-1 या फिर एक ही राकेट से एक ही बार में 104 सेटेलाइट को अंतरिक्ष भेजने का अभूतपूर्व मिशन हो। इसरो की सफलता का दायरा काफी बड़ा रहा है। बीते दस सालों में ही करीब 460 सेटेलाइट लांच की गई है और इसमें दूसरे देशों की भी बहुत सारी सेटेलाइट शामिल है।

उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों की एक बड़ी बात ये भी रही है कि अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की हमारी टीम में नारी-शक्ति की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। मुझे यह देखकर भी बहुत खुशी होती है कि आज अंतरिक्ष क्षेत्र हमारे युवाओं के लिए बहुत पसंदीदा बन गया है। कुछ साल पहले तक किसने सोचा होगा कि इस क्षेत्र में स्टार्ट अप और निजी क्षेत्र की अंतरिक्ष कंपनियों की संख्या सैकड़ों में हो जाएगी। हमारे जो युवा जीवन में कुछ थ्रिलिंग और रोमांचक करना चाहते हैं उनके लिए अंतरिक्ष क्षेत्र एक बेहतरीन विकल्प बन रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाले कुछ ही दिनों में हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने जा रहे हैं। हमारे बच्चों का, युवाओं का विज्ञान में रुचि और जुनून होना बहुत मायने रखता है। इसे लेकर मेरे पास एक आडिया है जिसे आप वन डे एज ए साइंटिस्ट कह सकते हैं यानि आप अपना एक दिन एक वैज्ञानिक के रूप में बिताकर देखें। आप अपनी सुविधा के अनुसार, अपनी मर्जी के अनुसार, कोई भी दिन चुन सकते हैं। उस दिन आप किसी शोध प्रयोगशाला, तारामंडल या फिर अंतरिक्ष केंद्र जैसी जगहों पर जरूर जाएँ। इससे विज्ञान को लेकर आपकी जिज्ञासा और बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष और विज्ञान की तरह एक और क्षेत्र है जिसमें भारत तेजी से अपनी मजबूत पहचान बना रहा है - ये क्षेत्र है एआई यानि ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। हाल ही में मैं एआई के एक बड़े सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए पेरिस गया था। वहाँ दुनिया ने इस क्षेत्र में भारत की प्रगति की खूब सराहना की। हमारे देश के लोग आज एआई का उपयोग किस-किस तरह से कर रहे हैं, इसके उदाहरण भी हमें देखने को मिल रहे हैं।

महाकुम्भ के अंतिम स्नान पर्व पर पवित्र स्नान के लिए जुटने लगे विदेशी श्रद्धालु

***महाकुम्भ नगर, 23 फरवरी।** महाकुम्भ के आखिरी के स्नान पर्व महा शिवरात्रि पर त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान करने के लिए विदेशी श्रद्धालुओं के कई समूह महाकुम्भ नगर पहुंच गए हैं। ब्राजील से आया भगवान शिव के भक्तों का एक ग्रुप भी महा शिवरात्रि के स्नान पर्व की बाट जोह रहा है। जिस दिव्यता और भव्यता के साथ प्रयागराज महा कुम्भ की शुरुआत हुई, समापन भी उसी अंदाज में होने जा रहा है। महाकुम्भ के अंतिम स्नान पर्व महा शिवरात्रि में संगम में मुक्ति की डुबकी लगाने के लिए विदेशी श्रद्धालुओं का जमावड़ा फिर महाकुम्भ में होने लगा है। ब्राजील से महाकुम्भ के अंतिम स्नान पर्व महा शिवरात्रि में त्रिवेणी में पवित्र स्नान करने के लिए दो दर्जन से अधिक ब्राजीली युवाओं का एक ग्रुप पहुंच चुका है। ग्रुप के कॉर्डिनेटर हेनरिक मोर का कहना है ये सभी युवा लॉर्ड शिवा की भक्ति धारा से जुड़े हुए हैं । इसमें ज्यादातर रियो दि जनेरियो और

साओ पाउलो शहर से हैं जहां शिव मंदिर भी हैं। लॉर्ड शिवा से प्रेरित होने की वजह से इन्होंने महा शिवरात्रि पर्व को चुना है जहां 12 वर्षों के बाद महाकुम्भ का विशेष अवसर आया है। ब्राजील के यूथ में धार्मिक पर्यटन का खासा क्रेज माना जाता है। भारत और एफ्रो-ब्राजील परंपराओं के बीच कुछ समानताएं इन्हें महाकुम्भ खींच लाई है। ब्राजीली ग्रुप के सदस्य पाओ फेलिपे का कहना है कि ग्रुप में अधिकतर युवा लार्ड शिवा के फॉलोवर हैं। सभी के शरीर में लॉर्ड शिवा के विभिन्न प्रतीकों को टैटू के रूप में स्थान दिया गया है। कानों में त्रिशूल की आकृति के चंद्राकार कुंडल और पूरे बदन में शिव जी के प्रतीक डमरू और महाकाल की आकृतियां इन्हें अलग पहचान प्रदान कर रही हैं। ग्रुप की महिला सदस्य इसाबेला बताती है कि ब्राजील में कयापो समुदाय की संस्कृति से इसके यूथ प्रभावित हैं जिसमें शरीर में प्रतीकों को गुदवाने की परम्परा है। ब्राजीली युवाओं का यह ग्रुप हर साल महा शिवरात्रि में बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी आता रहा है लेकिन इस बार प्रयागराज में महाकुम्भ के आयोजन की दुनिया के कोने कोने में चर्चा से ये लोग प्रयागराज आए हैं। ग्रुप के कॉर्डिनेटर हेनरिक मोर का कहना है कि महा कुम्भ की दिव्य अनुभूति से सभी लोग अभीभूत हैं इसलिए सभी लोगों ने महाशिव रात्रि का स्नान महा कुम्भ की त्रिवेणी की पवित्र धारा में करने का फैसला किया है।

21 वर्षीय महिला ने खुद को गोली मारी, अस्पताल में भर्ती

राजौरी, 23 फ़रवरी। राजौरी जिले के सुंदरबनी के भजवाल इलाके में रविवार को एक 21 वर्षीय महिला ने अपने घर पर 12 बोर की बंदूक से कथित तौर पर खुद को गोली मार ली। अधिकारियों ने बताया कि अपर भजवाल निवासी शिवानी देवी पुत्री गुरधर लाल एक महिला ने घर पर लाइसेंसी 12 बोर बंदूक से कथित तौर पर खुद को गोली मार ली। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई और उसे एसडीएम सुंदरबनी में स्थानांतरित कर दिया गया जहां डॉक्टरों ने उसे उन्नत उपचार के लिए जीएमसी जम्मू रेफर कर दिया। इस बीच पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

कठुआ पुलिस ने भगोड़े कुख्यात गोजातीय तस्कर को किया गिरफ्तार

कठुआ 23 फरवरी। एक महत्वपूर्ण सफलता में एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना की समग्र निगरानी में कठुआ पुलिस ने 01 कुख्यात गोजातीय तस्कर याकूब अली उर्फ युका पुत्र आलमदीन निवासी मनोहर गोपाला जिला सांबा को पकड़ लिया, जो लंबे समय से गिरफ्तारी से बच रहा था और पंजाब में छिपा हुआ था और उसके खिलाफ डीसी सांबा ने पीएसए वारंट जारी किया था। डीएसपी मुख्यालय कठुआ मंजीत सिंह और एसएचओ पुलिस स्टेशन कठुआ के मार्गदर्शन में पुलिस स्टेशन कठुआ की पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए उक्त आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की। गिरफ्तारी के बाद याकूब अली को आगे की जांच और कार्रवाई के लिए सांबा पुलिस को सौंप दिया गया। जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ का यह सफल ऑपरेशन गोवंश तस्करी पर अंकुश लगाने और क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

25 से 28 फरवरी तक बारिश और बर्फबारी

जम्मू, 23 फ़रवरी । जम्मू-कश्मीर मौसम विज्ञान विभाग ने 24 फरवरी तक मौसम के शुष्क रहने के बाद 25 से 28 फरवरी के बीच अधिकांश इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की भविष्यवाणी की है। विभाग के निदेशक मुख्तार अहमद ने जानकारी देते हुए कहा कि 23 और 24 फरवरी को मौसम सामान्य रूप से शुष्क बना रहेगा।

संगठित भिक्षावृत्ति से निपटने में तत्काल ध्यान देने की थी आवश्यकता : भाजपा

जम्मू, 23 फ़रवरी । यह स्पष्ट हो गया है कि जम्मू में भिक्षावृत्ति की समस्या एक गहरी जड़ें जमा चुकी है और संगठित बुराई बन गई है जो न केवल सार्वजनिक व्यवस्था बल्कि हमारे समाज के नैतिक और सामाजिक ताने-बाने को भी खतरे में डालती है आज पार्टी द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में जम्मू-कश्मीर भाजपा के प्रवक्ता एडवोकेट अंकुर शर्मा ने यह बातें कही। उन्होंने कहा कि जिसे कभी गरीबी से प्रेरित सामाजिक बुराई माना जाता था वह अब संगठित अपराध के एक व्यवस्थित नेटवर्क में बदल गया है जो कमजोर लोगों का शोषण करता है और आम नागरिकों की करुणा का शिकार होता है।

जांच और जमीनी रिपोर्ट बताती हैं कि जम्मू में भिक्षावृत्ति अब हताशा का काम नहीं रह गया है बल्कि आपराधिक सिंडिकेट द्वारा प्रबंधित एक संगठित उद्योग बन गया है। ये नेटवर्क विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों, धार्मिक स्थलों और यातायात चौराहों पर भिखारियों की आवाजाही और स्थिति को व्यवस्थित करने में शामिल हैं। इनमें से कई व्यक्ति जम्मू के मूल निवासी नहीं हैं बल्कि अन्य राज्यों से लाए गए हैं जो एक बड़े अंतरराज्यीय और संभवतः अंतरराष्ट्रीय रैकेट का संकेत देते हैं।

किसानों के बीच जाकर बनाई जा रही हैं उनकी बेहतरी के लिए योजनाएं : शिवराज सिंह

पटना, 23 फरवरी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बिहार के मखाना किसानों के लिए घोषित मखाना बोर्ड के गठन को लेकर रविवार को बिहार के दरभंगा जिला पहुंचे। यहां मखाना अनुसंधान केंद्र में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि किसानों की बेहतरी के लिए बनने वाली योजनाओं को कृषि भवन में बैठकर नहीं बल्कि किसानों के बीच जाकर बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार का मखाना सुपर फूड है। उन्होंने कहा मखाना का उत्पादन और गुणवत्ता बढ़े, मखाना उत्पादक किसानों की परेशानी दूर हो इसके लिए बिहार में मखाना बोर्ड का गठन किया जा रहा है। हमने तय किया कि कृषि भवन में बैठकर मखाना बोर्ड

नहीं बनेगा, बल्कि जिनके लिए ये बोर्ड बन रहा है उनके बीच जाकर चर्चा करेंगे। शिवराज ने कहा कि बिहार में मखाना बोर्ड बनेगा तो किसान भाइयों की सलाह के आधार पर बनेगा। इसके लिए उन्होंने दरभंगा में मखाना उत्पादक किसानों के साथ संवाद किया। इससे पहले बिहार के परम्परागत परिधान धोती-कुरता पहनकर शिवराज सिंह चौहान ने मखाना की खेती के लिए तैयार पानी भरे खेत में उतरे और मखाने के डंठल की रोपायी की। मखाना किसानों को आयुष्मान भारत से जोड़ने की बात केंद्र सरकार के समक्ष रखी जाएगी- सम्राट चौधरीमौके पर उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि मखाना उत्पादन और मछली पालन के लिए जमीन का पट्टा (लीज) देने की प्रक्रिया सरल बनाने पर सरकार गंभीरता से विचार करेगी। देश के कुल मखाना उत्पादन का 85 फीसदी हिस्सा बिहार में पैदा होता है। उन्होंने मखाना बोर्ड बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि मखाना बोर्ड का गठन होने से इसकी गुणवत्ता बढ़ाने और उत्पाद की दुनिया-भर में अच्छी मार्केटिंग करने में सहायता मिलेगी।

रहस्यमयी परिस्थितियों में नाबालिग लड़की मृत पाई गई

जम्मू,, 23 फ़रवरी । जम्मू जिले में रविवार को एक नाबालिग लड़की अपने घर में रहस्यमयी परिस्थितियों में मृत पाई गई।

बताया गया कि 14 वर्षीय 9वीं कक्षा की लड़की का शव उसके घर में रहस्यमयी परिस्थितियों में पाया गया। उन्होंने बताया कि वह जम्मू जिले के बिश्नाह तहसील के महमूदपुर गांव की रहने वाली थी। इस बीच पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

कुख्यात गोवंश तस्कर पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया

जम्मू,, 23 फ़रवरी। एक महत्वपूर्ण सफलता में, जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ ने एसएसपी कठुआ श्री शोभित सक्सेना आईपीएस के समग्र पर्यवेक्षण में 01 कुख्यात गोवंश तस्कर को गिरफ्तार किया, जिसका नाम याकूब अली उर्फ युका पुत्र आलमदीन, मनोहर गोपाला, सांबा का निवासी है, जो लंबे समय से गिरफ्तारी से बच रहा था और पंजाब-जम्मू-कश्मीर सीमा पर छिपा हुआ था। डीसी सांबा द्वारा उसके खिलाफ पीएसए वारंट जारी किया गया था।

जेकेपीसीसी प्रमुख कर्रा ने राज्य के दर्जे की प्रतिबद्धता पर भाजपा से पूछे सवाल

जम्मू, 23 फ़रवरी । जेकेपीसीसी प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने रविवार को भाजपा की आलोचना करते हुए स्पष्ट करने की मांग की कि क्या जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का वादा मोदी सरकार का एक और जुमला था। मुट्ठी में एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कर्रा ने कहा स्थानीय भाजपा ने लोगों से भारी जनादेश प्राप्त करने के बावजूद इस मांग पर चुप्पी साध रखी है।

कर्रा ने फिर से पुष्टि की कि जब तक केंद्र संसद में, सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष और हाल के चुनावों के दौरान राज्य के दर्जे के लिए अपनी प्रतिबद्धता को पूरा नहीं करता तब तक कांग्रेस शांत नहीं होगी। उन्होंने भाजपा पर जम्मू-कश्मीर के लोगों को धोखा देने का आरोप लगाया और कहा कि निर्वाचित सरकार के बिना शासन ने बेरोजगार युवाओं, दिहाड़ी मजदूरों, संविदा कर्मियों और विभिन्न अस्थायी कर्मचारियों की पीड़ा को और बढ़ा दिया है।

डोगरा समुदाय की चिंताओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने पहचान, भूमि और नौकरियों पर अधिकारों के नुकसान और स्थानीय संसाधनों और संस्कृति पर बाहरी लोगों के बढ़ते प्रभाव पर दुख जताया।

जम्मू और कश्मीर ने अमृत परियोजना में अग्रणी भूमिका निभाई

जम्मू, 23 फ़रवरी। जम्मू और कश्मीर ने जल संरक्षण और स्वच्छता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अमृत परियोजना के तीसरे चरण को पूरे केंद्र शासित प्रदेश में लगभग 30 स्थानों पर सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया।

इसी संबंध में जम्मू के सिधरा में तवी नदी के तट पर एक बड़ा स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया जहाँ स्वयंसेवक नदी के किनारों की सफाई करने और जल निकायों के संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक साथ आए।

संत निरंकारी मिशन जम्मू के जोनल इंचार्ज अजीत सिंह ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ जल और स्वस्थ वातावरण विरासत में मिले।

जम्मू और कश्मीर से आगे बढ़ते हुए स्वच्छ जल स्वच्छ मन थीम के तहत आयोजित यह राष्ट्रव्यापी आंदोलन भारत के सभी 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 900 शहरों में 1600 से अधिक स्थानों पर चलाया गया।

जम्मू कश्मीर में मत्स्य पालन क्षेत्र में रोजगार, अर्थव्यवस्था सृजन की व्यापक संभावनाएं हैं: जावेद

गांदरबल 23 फरवरी। कृषि उत्पादन विभाग और ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री जावेद अहमद डार ने जम्मू-कश्मीर में मत्स्य पालन क्षेत्र में व्यापक रोजगार संभावनाओं का दोहन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मंत्री ने यह बात ट्राउट पिश फार्म मैमर की कार्यप्रणाली की समीक्षा करने और मत्स्य पालन क्षेत्र में विकास का आकलन करने के लिए अपनी यात्रा के दौरान कही कंगन के विधायक मियां मेहर अली के साथ मंत्री ने इस क्षेत्र में रोजगार और आर्थिक सृजन की विशाल संभावनाओं पर प्रकाश डाला और युवाओं से मछली पालन को अपनी स्थायी आर्थिक गतिविधि के रूप में अपनाने का आग्रह किया। निजी मछली किसानों के बीच तकनीकी जागरूकता की आवश्यकता पर जोर देते हुए, मंत्री ने अधिकारियों को लगातार क्षेत्र का दौरा करने और किसानों को आधुनिक मछली पालन प्रथाओं पर शिक्षित करने का निर्देश दिया। उन्होंने समग्र कृषि विकास कार्यक्रम के तहत एक व्यवहार्य रोजगार अवसर के रूप में इसकी क्षमता पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को मछली पालन में संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित किया। इससे पहले, मंत्री ने अखल, कंगन में खैबर एक्वाकल्चर का दौरा किया, जहां उन्होंने उन्नत रीसर्क्युलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम का उपयोग करके रेनबो ट्राउट को बढ़ाने के लिए निजी कंपनी द्वारा विकसित बुनियादी ढांचे की समीक्षा की। मंत्री ने सुविधा का दौरा किया, इसकी पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं और टिकाऊ ट्राउट खेती के उद्देश्य से अत्याधुनिक मशीनरी की सराहना की।

विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण :लोकसभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 23 फ़रवरी । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में

शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षक ही छात्रों के विचारों में लोकतान्त्रिक सिद्धांतों का समावेश करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।लोकसभा अध्यक्ष बिरला रविवार को संसद भवन परिसर में संसदीय शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (एबीआरएसएम) के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। बिरला ने कहा कि शैक्षिक संस्थान, जैसे आईआईटी और एनआईटी न केवल ज्ञान का प्रसार करने में अग्रणी हैं, बल्कि उन्होंने दुनिया की कई समस्याओं के समाधान भी दिए हैं। यही कारण है कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारे छात्र वैश्विक संदर्भ और तेजी से बदलती तकनीकों के साथ तालमेल बैठाने की क्षमता विकसित करें। इस सन्दर्भ में उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि अपने अनुभवों और विचारों को साझा करके छात्रों को एक नई दिशा दिखाते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा प्रौद्योगिकी और नवाचार हब बनाने के प्रयासों के परिप्रेक्ष में नवाचार और अनुसंधान में राष्ट्रीय क्षमताओं को और बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने संसद के कामकाज में तकनीकी नवाचारों के सक्रिय उपयोग का भी ज़िक्र किया। 22 भारतीय भाषाओं में समानांतर भाषांतरण और संसद में 1947 से लेकर अब तक सभी बहसों के डिजिटलीकरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन कदमों ने न केवल संसदीय कार्य की दक्षता को बढ़ाया है, बल्कि भारत की संसद को एक तकनीकी रूप से उन्नत संस्थान बना दिया है।

सफाई कर्मचारियों को सम्मान, नौकरी की सुरक्षा और कल्याणकारी उपायों का हक : रंधावा

जम्मू, 23 फ़रवरी । वरिष्ठ भाजपा नेता और बाहु विधानसभा क्षेत्र के विधायक विक्रम रंधावा ने रविवार को अखिल भारतीय सफाई मजदूर संघ के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की जिसका नेतृत्व इसके राज्य महासचिव अमर मूमन ने किया और जम्मू-कश्मीर में सफाई कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित शिकायतों को सुना। प्रतिनिधिमंडल ने सफाई कर्मचारियों के सामने आने वाली प्रमुख समस्याओं का विवरण देते हुए एक ज्ञापन सौंपा और उनके समाधान के लिए तत्काल हस्तक्षेप का आग्रह किया। बैठक के दौरान अमर मूमन ने सफाई कर्मचारियों के सामने आने वाली चुनौतियों विशेष रूप से शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के कर्मचारियों के नियमितीकरण की मांग से विधायक को अवगत कराया जिन्होंने सात साल की सेवा पूरी कर ली है। उन्होंने सफाई सेवाओं को आउटसोर्स करने की

बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की जिसके कारण नौकरी की असुरक्षा और संविदा कर्मचारियों का शोषण हुआ है। उन्होंने प्रशासन से इस तरह की आउटसोर्सिंग प्रथाओं को रोकने और इसके बजाय इन आवश्यक कर्मचारियों को स्थिर रोजगार प्रदान करने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारियों के वेतन से नियमित कटौती के बावजूद ठेकेदारों द्वारा कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) और कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) जमा न करने के बारे में गंभीर चिंताओं को भी उजागर किया। उन्होंने कर्मचारियों को उनके उचित लाभ प्राप्त करने के लिए चूककर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उठाई गई एक अन्य प्रमुख मांग जम्मू-कश्मीर में सभी सफाई कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को लागू करना था ताकि सेवानिवृत्ति के बाद वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

पूरी दुनिया में मशहूर हैं दस शहर

दुनिया बेहद खूबसूरत है। अगर प्राकृतिक ने हमारी गोद में सुंदरता की बरमार सौगात में दी है तो लोगों ने भी इस दुनिया को सजाने में अपनी मेहनत के रंग भरे हैं। आज हम आपको दिखाते हैं दुनिया के सबसे रंगीन शहर जो अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं।

Nyhavn, Copenhagen

डेनमार्क में बसे इस शहर में 17 और 18वीं शताब्दी की इमारतें, बार, कैफ़े, रेस्टोरेंट्स आदि हैं जो लकड़ी, ईंट और प्लास्टर से बने हैं। नहर के पास बने इस शहर की खूबसूरती किसी का भी मन मोह लें।

Buenos Aires, Argentina

अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में ला बोका (La Boca) नाम की जगह है जो अपने खुले म्यूज़ियम के लिए मशहूर है। यहां के लोगों ने अपने आस-पड़ोस की दीवारों पर कबाड़ के सामान और बचे हुए रंगों से बहुत ही सुन्दर म्यूरल्स और ग्राफ़िटी बनाई हैं।

St. John's, Newfoundland and Labrador, Canada

सेंट जॉन न्यूफ़ाउंडलैंड, लैब्राडोर की राजधानी है। यह कनाडा के सबसे पुराने शहर हैं, जिसका इतिहास 1400 साल पुराना है। इस जगह का आर्किटेक्चर बहुत ही निराला है क्योंकि पुराने समय में जहाज के कप्तान अपने घर के लिए एक रंग चुनते थे, जिससे समुद्र से घर को आसानी से पहचाना जा सके। यही वजह है कि ये शहर इतना रंगीन है।

Valparaiso, Chile

समुद्र पर बसा वल्परईसो शहर, चिली का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गढ़ है। यहां लोगों ने अपनी क्रिएटिविटी दिखाकर घरों को रंग-बिरंगे रंगों से सजाया है।

Izamal, Mexico

इस शहर को ₹मैजिकल सिटी₹ नाम दिया गया है क्योंकि यहां की इमारतों से सूर्य जैसा पीला रंग छलकता है। पत्थर से बनी सड़कें और लाइमस्टोन के चर्च और सरकारी इमारतें इस शहर की सुंदरता को और बढ़ाती हैं।

Wroclaw, Poland

पोलैंड के इस शहर में पर्यटकों के देखने लायक बहुत सारी चीजें हैं जैसे रेस्टोरेंट, कैफे आदि लेकिन इस शहर का सबसे सुन्दर भाग है, यहां के रंग-बिरंगे घर जो पूरे वातावरण को सजीव बनाता है।

Rio de Janeiro, Brazil

2010 में ब्राज़ील की सरकार ने रिओ की बस्तियों को सजाने का काम शुरू किया था। आज यहां की बस्तियां एक बड़ा सा रंग-बिरंगा कैनवास बन गई हैं। इस इलाके में अब टूरिस्ट्स का तांता लगा रहता है।

Jodhpur, India

भारत के राजस्थान में बसा जोधपुर शहर जो ब्लू सिटी के नाम से मशहूर है। यहां के घरों और इमारतों को रॉयल ब्लू रंग में रंगा गया है। ये प्रचलन जोधपुर के राज परिवार ने शुरू किया था। नीले रंग में रंगा गया ये शहर, शान्ति और शीतलता का एहसास देता है।

Pattaya, Thailand

पट्टाया में सुन्दर बीच तो है ही लेकिन यहां की इमारतों के रंग हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यहां के घर और होटलों को कई रंगों में रंगा गया है जो इस शहर को दुनिया का सबसे रंगीन शहर बनाता है।

Burano Island, Italy

चार आइलैंड के द्वीप समूह में स्थित इस शहर में मोहक सड़कें और नहरें हैं लेकिन उससे भी खूबसूरत यहां की इमारतें हैं जो खूबसूरत रंगों से चमचमाती हैं। यहां खास बात यह है कि यहां सरकार निर्धारित करती है कि आप अपने घर को किस रंग से रंगवा सकते हैं।

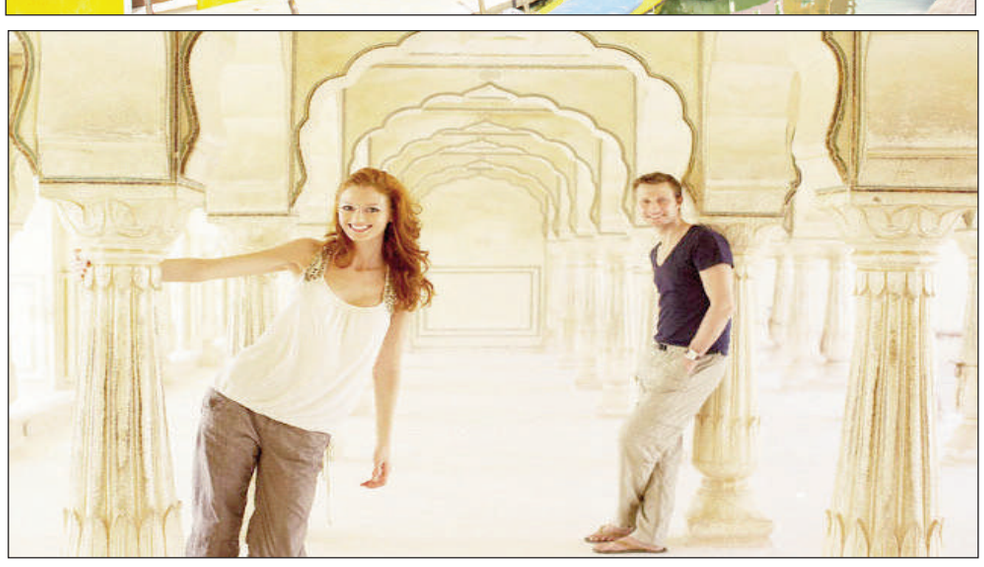

जमीन के ऊपर नहीं अंदर हैं 10 शानदार झीलें

झीलों की ख़ूबसूरती हमेशा से ही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती रही है। इनकी सुंदरता का जिक्र कई गीतों, शायरों की शायरी और बहुत सारी प्रेम-कहानियों में भी हुआ है। आपने भी वैसे तो बहुत सारी झीलें देखी होंगी लेकिन जिन झीलों के बारे में हम आपको बताने जा रहे हैं, वह रोमांच से भरी पड़ी हैं क्योंकि ये झीलें जमीन पर नहीं बल्कि अंडर ग्राउंड हैं। यह झीलें पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं।

रीड फ्लूट लेक

चीन के तांग वंश के समय में गुइलिन में स्थित रीड फ्लूट लेक लगभग 1300 साल पुरानी है।

वूकेई होल

ब्रिटेन के सामर सेट में स्थित ये गुफ़ा दुनिया के सबसे बड़ी गुफ़ाओं में से एक है।

चेडर नदी घाटी

ब्रिटेन की 9000 साल पुरानी इस घाटी में 1903 में पूर्ण नर कंकाल मिला था। लाइम स्टोन की बनी हुई ये घाटी एक अंडर ग्राउंड नदी का परिणाम है।

मेल्लिअसनी लेक

कैलीफोर्निया में स्थित इस झील की खोज 1943 में आए एक भूकंप की वजह से हुई थी।

लेचुगुइल्ला लेक

मेक्सिको के कार्ल्सबैड सवेर्न्स नैशनल पार्क यहां की सबसे बड़ी गुफ़ा में शामिल है, जहां ये झील अपनी छटा बिखेरती है।

सेवर्न लेक

चूना पत्थर से बनी मेक्सिको की गुफ़ाओं में स्थित इस झील में दीवारें एक वॉटर फाल की तरह दिखता है।

बंफ्फ लेक

कनाडा के बंफ्फ नैशनल पार्क में स्थित ये झील अपनी ख़ूबसूरती के लिए दुनियाभर में जानी जाती है।

युकाटन लेक

दुनिया के सबसे खूबसूरत झीलों में से एक युकाटन लेक मेक्सिको के मेकन चे में स्थित है।

लुरेई सवेर्न्स

अमरीका के वर्जीनिया में स्थित इस झील को देखने दुनिया भर से पर्यटक यहां आते हैं।

हेमिल्टन पुल

टेक्सस में स्थित हेमिल्टन पूल का निर्माण एक गुफ़ा की छत ढहने से हुआ था।

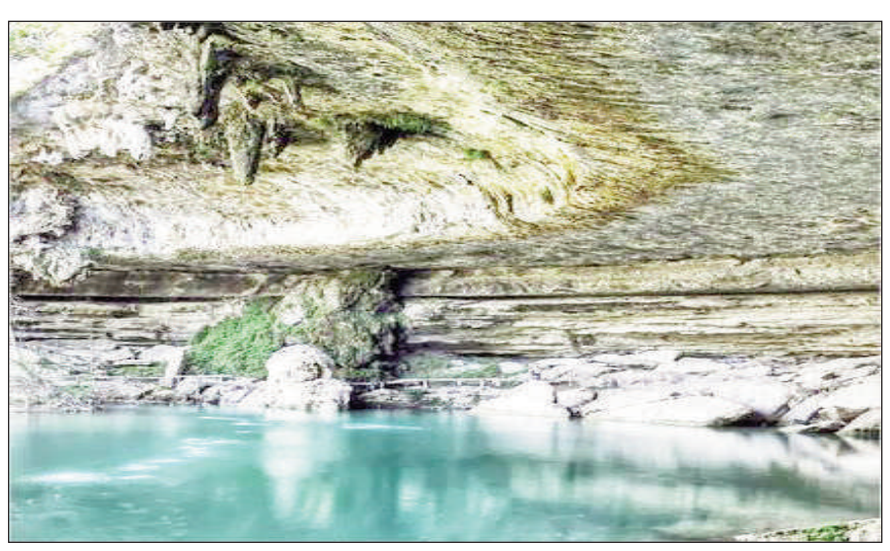

नाव और कुत्तों की सवारी के लिए मशहूर हैं आठ देश

हजारों सालों से पेरू और बोलीविया के टीटीकाका झील के किनारों पर एक खास तरह की टोटोरा बोट मिलती है जिसे रीड बोट्स भी कहा जाता है। जो दुनिया की सबसे पुरानी बोट्स में शामिल हैं। अलग-अलग साइज में मिलने वाली इन नावों को यहां के ऊरोज जनजाति के लोग अपने हाथों से तैयार करते हैं। ड्रेगन की शेप वाले इस नाव को पुराने जमाने में बुरी आत्माओं को भगाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था, ऐसा लोग मानते हैं। हल्की होने के कारण पानी में ये बहुत ही तेज रफ़्तार से चलती है। जिससे सफर आसानी से कट जाता है और मंजिल तक समय से पहुंच जाते हैं।

नार्वे के शांत वातावरण का एक्सपीरिएंस कुछ अनोखे तरीके से करना हो तो डॉग स्लीडिंग बेहतरीन ऑप्शन है। यहां के साल्टफेले-स्वार्टिसेन और जॉटुनहाइम नेशनल पार्क अपनी नेचुरल ब्यूटी के लिए जाने जाते हैं जहां तक पहुंचाने में बिनापहिए वाली गाड़ी, जिसे साइबेरियन डॉग खींचते हैं की मदद ली जा सकती है। इस स्लीडिंग का मजा लेने के लिए ओस्लो से 3 घंटे तक का सफर तय करना पड़ता है। टुकटुक, रिक्शे जैसा दिखने वाला वाहन जिसमें आगे साइकिल नहीं बाइक होती है और टुकटुक चलाने वाला बकायदा हेलमेट पहने नजर आएगा। तीन पहिए वाली ये गाड़ी मोटर की मदद से चलती है और इसका भी बहुतायत तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। सबसे पहले टुकटुक थाईलैंड में चलाई गई थी उसके बाद ये लाओस, कंबोडिया, पाकिस्तान से होते हुए इंडिया में आईं। धूल और प्रदूषण से परे इसकी सवारी वाकई मजेदार होने के साथ ही अन्य वाहनों के मुकाबले सस्ती भी होती है। ट्रेन, बस, अलग-अलग सुविधाओं वाली कार के होते हुए भी थाईलैंड में लोग हाथी की सवारी करना ज्यादा पसंद करते हैं। शाही सवारी का अनुभव कराने के साथ ही थाईलैंड के जंगलों को घूमने का मजा इसी से आता है। यहां एक छोटा सा हाथियों का गांव भी है जहां जाकर हाथियों को खिला सकते हैं, बेबी एलिफेंट के साथ मस्ती कर सकते हैं और उनके साथ फोटो भी खिंचवा सकते हैं। थाईलैंड साल भर टूरिस्टों से भरा रहता है। तो बीच पर घूमने के अलावा जंगलों की सैर हाथी पर करना भी एक अच्छा ऑप्शन है।कंबोडिया की राजधानी नामपेन्ह के बत्तामबैंग शहर में लोहे की नहीं बल्कि बांस की ट्रेन देखने को मिलती है। बांस की लकड़ियों से बने खांचे के ऊपर छोटे इलेक्ट्रॉनिक इंजन और नीचे पटरी पर आराम से दौड़ने वाले पहिए, वाकई आवाजाही के लिए गजब का इनवेन्शन है। बड़ी-बड़ी ट्रेनों और बसों को पीछे छोड़ कंबोड़िया में लोग एक शहर से दूसरे शहर जाने के लिए ज्यादातर इसका ही इस्तेमाल करते हैं। इसे वहां की सरकार ने भी मान्यता दे रखी है। कंबोडिया के खमेर इलाके में इसे "नौरी" कहते हैं। लेकिन इसकी सबसे अजीबोगरीब चीज है कि लोहे की ट्रेन सामने आने पर इस पर से कूदना पड़ता है।

कई तरह की लग्जरी सुविधाओं से लैस ट्रेन, बसों, हवाई जहाज से बहुत सारे सफर किए होंगे, लेकिन कभी बांस की ट्रेन, हाथियों और ऊंट की पीठ पर सवारी की है? शायद नहीं। दुनिया भर में ऐसी कई सारी जगहें हैं जहां टूरिस्टों को बिल्कुल अनोखे अंदाज में शहर घूमने का मौका मिलता है जो वाकई एक अलग ही एक्सपीरिएंस होता है। तो ऐसे ही अलग राइड्स का मजा कहां और किससे मिलता है, इसे जानेंगे और जब भी जाने का मौका मिले तो एक बार इनपर सवारी करना तो बनता है।

न्यूजीलैंड शहर को एक्सप्लोर करने की सोच रहे हैं तो इन ट्रांसपेरेंट गेंदों(जोर्ब) की मदद ले सकते हैं। घाटियों और पहाड़ों से लुढ़काई जाने वाली इस गेंद में बहुत स्पेस होता है जिसमें एक या दो नहीं बल्कि कई सारे लोग एक साथ बैठ सकते हैं। जोर्ब की सबसे मजेदार बात होती है कि ये पहाड़ों, सड़कों के अलावा पानी में भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं। वहां के लोग इसे किवी कहते हैं जो बंजी जम्पिंग, व्हाइट वाटर राफ्टिंग और स्काईडाइविंग जैसे खेलों जितना ही मजेदार खेल है। रंग-बिरंगी, नियॉन लाइट्स और वूडू पोस्टर्स से सजी हुई बसें ग्वाटेमाला में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए इस्तेमाल की जाती है जिसे "चिकन बस" के नाम से पुकारा जाता है। पुरानी बसों को बिल्कुल अलग तरह से तैयार कर इसे स्कूल बस के तौर पर भी इस्तेमाल करते हैं। बड़े-बड़े पहाड़ों पर इससे सफर करना आसान होता है। पहले बसों में बकरियों और मुर्गियों की भी सवारी होती है इसलिए इस चिकन बस कहा जाने लगा। लेकिन ग्वाटेमाला में सबसे ज्यादा लूट-पाट भी इन्हीं बसों में होती हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

रियासी में जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्रों के लिए प्रेरक सत्र आयोजित

रियासी, 23 फरवरी (हि.स.)। भारतीय सेना ने रियासी जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय में छात्रों को सशस्त्र बलों में शामिल होने और राष्ट्र की सेवा करने के लिए प्रेरित करने के लिए एक प्रेरक सत्र आयोजित किया। इस सत्र में 52 छात्रों और 10 शिक्षकों ने भाग लिया जिन्होंने इस इंटरैक्टिव कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। सत्र के दौरान भारतीय सेना के अधिकारियों ने भारतीय सेना में कैरियर के अवसरों, पात्रता मानदंड और कठोर प्रशिक्षण प्रक्रिया के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की।

उन्होंने सशस्त्र बलों में सेवा करने के लिए आवश्यक सम्मान, अनुशासन और प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। छात्रों को भारतीय सेना में शामिल होने और राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास में योगदान देने के अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सत्र में भारतीय सेना के कर्मियों द्वारा साझा किए गए वास्तविक जीवन के अनुभव, वीरता की प्रेरक कहानियाँ और एक प्रश्नोत्तर खंड भी शामिल था जहाँ छात्रों ने भर्ती प्रक्रियाओं और भारतीय सेना में जीवन के बारे में अपनी शंकाओं को स्पष्ट किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा मन में देशभक्ति, समर्पण और दृढ़ संकल्प की भावना पैदा करना था।

शिक्षकों और छात्रों ने सत्र के आयोजन और रक्षा क्षेत्र में कैरियर की संभावनाओं पर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए भारतीय सेना के प्रति आभार व्यक्त किया। इस पहल की व्यापक रूप से सराहना की गई और उम्मीद है कि इससे कई छात्रों को सशस्त्र बलों में भविष्य के बारे में सोचने के लिए प्रेरणा मिलेगी। भारतीय सेना युवाओं के साथ जुड़ने और उन्हें सार्थक करियर की ओर मार्गदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है जो देश की सेवा गर्व और सम्मान के साथ करते हैं।

मास्टर दयानंद जी को श्रद्धांजलि अर्पित की

कठुआ 23 फरवरी (हि.स.)। ब्राह्मण सभा कठुआ द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें ब्राह्मण सभा कठुआ के पूर्व अध्यक्ष मास्टर दयानंद जी के निधन पर शोक जताया गया। ब्राह्मण सभा कठुआ के अध्यक्ष डॉ दुष्यंत उब्बट की अध्यक्षता में रविवार को ब्राह्मण सभा परिसर में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें गत दिनों ब्राह्मण सभा के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय मास्टर दयानंद जी के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शोक सभा में ब्राह्मण सभा के सदस्य सहित बिरादरी के लोग एकत्रित हुए और उन्होंने स्वर्गीय मास्टर दयानंद जी को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। ब्राह्मण सभा अध्यक्ष दुष्यंत उब्बट, वेदप्रकाश खजुरिया, रविंद्र शर्मा, अजय शर्मा, सुरेंद्र शर्मा, महिपाल शर्मा, रॉबिन शर्मा, मनुज केसर, सुनील शर्मा सहित अन्य सदस्यों ने बताया कि बीते 16 फरवरी को ब्राह्मण सभा के पूर्व अध्यक्ष मास्टर दयानंद जी का निधन हो गया था। उन्होंने बताया कि स्वर्गीय मास्टर दयानंद जी 2012 से लेकर 2016 तक ब्राह्मण सभा कठुआ के अध्यक्ष रहे। उस दौरान उन्होंने ब्राह्मण समाज और ब्राह्मण सभा के उत्थान के लिए कई नेक कार्य किए हैं जिन्हें भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय मास्टर दयानंद जी आज हमारे बीच में नहीं है, उनकी कमी कभी पूरी नहीं हो पाएगी और इस कठिन घड़ी में ब्राह्मण सभा उनके परिवार के साथ खड़ा है।

प्रतिनिधिमंडल ने उप मुख्यमंत्री से भेंट की सरकार जनता की समस्याओं को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध : उप मुख्यमंत्री

जम्मू 23 फरवरी। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने जनता की समस्याओं को कम करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि इनके निवारण के लिए प्रभावी तंत्र बनाया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, 卐यह सुनिश्चित करने के लिए संबंधितों को आवश्यक निर्देश पहले ही दिए जा चुके हैं कि सार्वजनिक शिकायतों का निवारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और विकासात्मक पहलों में तेजी लाई जाए। हम विकास और अन्य दैनिक जीवन से संबंधित मुद्दों से अवगत हैं। इनकी निगरानी और त्वरित निष्पादन के लिए एक प्रभावी तंत्र स्थापित किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने यह बात नौशेरा, सुंदरबनी और राजौरी जिले के अन्य हिस्सों से आए कई प्रतिनिधिमंडलों के साथ बातचीत करते हुए कही। जिन्होंने आज उनसे अपने क्षेत्रों और सेवा संबंधी कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की।

बाद में, पूर्व विधायकों, सरपंचों, विभिन्न क्षेत्रों के व्यक्तियों ने भी उपमुख्यमंत्री से मुलाकात की और अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों और क्षेत्रों के विकास संबंधी और अन्य मुद्दों को रखा।

उपमुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडलों को आश्वासन दिया कि उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों का यथाशीघ्र समाधान किया जाएगा।

बेहतर तरीके के साथ होना चाहिए नहरों का सफाई कार्य : गुरमीत सिंह

आरएस पुरा, 23 फरवरी (हि.स.)। कांग्रेस पार्टी के युवा नेता एवं पूर्व सरपंच गुरमीत सिंह बाजबा ने सरकार एवं सिंचाई विभाग से मांग करते हुए कहा है कि नहरों का सफाई कार्य बेहतर तरीके के साथ होना चाहिए ताकि सीमावर्ती किसानों को अंतिम छोर तक नहरी पानी मिल सके। आरएस पुरा में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान पूर्व सरपंच गुरमीत सिंह बाजबा ने कहा कि हर वर्ष नहरों का सफाई कार्य बेहतर तरीके के साथ नहीं होता जिस कारण किसानों को समय पर तथा अंतिम कोने तक नहरी पानी नहीं मिल पाता। इस कारण किसान समय पर अपनी फसल नहीं लगा पाते। उन्होंने कहा कि आज भी सीमावर्ती क्षेत्रों में नहरी पानी न पहुंचने का कारण बेहतर सफाई कार्य न होना है। खासकर माइनर नहरों की तरफ सिंचाई विभाग का ध्यान नहीं जाता। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी उनकी तरफ से इस मांग को लगातार हर मंच के माध्यम से सरकार के समक्ष रखा गया है और उम्मीद है कि जम्मू कश्मीर की सरकार इस तरफ ध्यान देगी जिसका फायदा किसानों को मिलेगा।

विश्वकर्मा रिपोर्टर पत्रिका का विमोचन किया

जम्मू, 23 फ़रवरी (हि.स.)। श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी एंड रिसर्च सेंटर न्यू प्लॉट्स जम्मू के अध्यक्ष राम लाल, भाजपा प्रवक्ता एवं पूर्व उपाध्यक्ष, जे.के. एससी, एसटी, बीसी विकास निगम, बलबीर राम रतन और राम पाल चारगोत्रा ने रविवार को विश्वकर्मा रिपोर्टर-2024 पत्रिका का विमोचन किया। इस अवसर पर प्रतिभागी छात्रों को नोटबुक भी वितरित की गईं। लाइब्रेरी की कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्यों ने पत्रिका से जुड़े लोगों को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि पाठक इसके सामग्री का आनंद लेंगे। लाइब्रेरी के संयोजक रमेश अंगोत्रा ने बताया कि यह पत्रिका सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने, युवाओं को शिक्षा की ओर प्रेरित करने और जम्मू-कश्मीर के कोने-कोने में जागरूकता फैलाने में बड़ी भूमिका निभा रही है। इसमें विश्वकर्मा समाज का एक वर्ष का इतिहास संकलित किया गया है। मुख्य अतिथि बलबीर राम रतन ने कहा कि किसी समाज की पत्रिका का प्रकाशन एक कठिन कार्य होता है और जो लोग इसे संकलित करते हैं वे प्रशंसा के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी पत्रिकाएँ समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

पीर पंजाल खो-खो टूर्नामेंट का समापन, एचएसएस सेरी ख्वाजा जूनियर ने जीता खिताब

जम्मू, 23 फ़रवरी (हि.स.)। पीर पंजाल खो-खो टूर्नामेंट का समापन एक रोमांचक फाइनल के साथ हुआ जिसमें टीम एचएसएस सेरी ख्वाजा जूनियर ने ड्रीम क्लब खो-खो, पुंछ को हराया। 17 फरवरी को शुरू हुए इस टूर्नामेंट में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली जिसमें भाग लेने वाली टीमों ने उल्लेखनीय चपलता, रणनीति और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। ग्रैंड फिनाले में गति और समन्वय का नजारा देखने को मिला जिसमें दोनों टीमों ने बेहतरीन कौशल और लचीलापन दिखाया। दर्शकों की उत्साहपूर्ण जयकारों के बीच एचएसएस सेरी ख्वाजा जूनियर ने

अपनी स्थिति बनाए रखी और चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। टूर्नामेंट के अंत में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया जिसमें विजेताओं, उपविजेताओं और खेल के प्रति समर्पण के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित किया गया। पीर पंजाल शीतकालीन महोत्सव के एक प्रमुख आयोजन के रूप में इस टूर्नामेंट ने टीम वर्क, अनुशासन और सौहार्द को बढ़ावा देने में खेलों की भूमिका पर प्रकाश डाला तथा युवाओं और भारतीय सेना के बीच एकजुटता की भावना को मजबूत किया।

एसडीएच भद्रवाह ने प्रमोशनल क्रिकेट मैच में एसडीएच गंडोह को हराया

गंडोह, 23 फरवरी (हि.स.)। नशा मुक्त भारत अभियान और नशा विरोधी अभियान के तहत रविवार को उप जिला अस्पताल गंडोह और उप जिला अस्पताल भद्रवाह के बीच स्पोर्ट्स ग्राउंड किल्होत्रान में मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में एसडीएच भद्रवाह 26 रन से विजयी हुआ। टॉस जीतकर एसडीएच भद्रवाह ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और निर्धारित 20 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 171 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। डॉ. यासिर रियाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 48 गेंदों पर 77 रन बनाए जबकि डॉ. तौसीफ मलिक ने 46 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। एसडीएच गंडोह की ओर से डॉ. फारूक सलीम, आरिफ राथर, जहांगीर मेहता और आरिफ बट्ट ने एक-एक विकेट लिया। जवाब में एसडीएच गंडोह ने कड़ी टक्कर दी लेकिन 20 ओवर में 5 विकेट पर 145 रन ही बना सकी। डॉ. फारूक सलीम ने सर्वाधिक 42 रन बनाए जबकि आरिफ राथर ने 21 रन का योगदान दिया।

भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से दी पटखनी

दुबई, 23 फ़रवरी। दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का पांचवां मुकाबला खेला जा रहा है। जहां पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.4 ओवर में 241 रन का स्कोर बनाया। वहीं अब भारत के सामने 242 रनों का टारगेट है। पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन साउद शकील ने 62 रन बनाए। जबकि कप्तान मोहम्मद रिजवान ने 46 रन बनाए। इसके अलावा अंत में खुशदिल शाह ने 39 गेंद में दो छक्कों के दम 36 रन बनाए। वहीं भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट कुलदीप यादव ने 3, हार्दिक पंड्या ने 2 और अक्षर पटेल,शमी और हर्षित पटेल ने 1 विकेट झटका है। विराट कोहली ने चौके से मैच खत्म किया। इस चौके से कोहली का शतक भी पूरा हुआ। भारत ने पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया। 241 रन के टारगेट को 42.3 ओवर में 4 विकेट

खोकर हासिल किया। भारत ने इस जीत के साथ 2017 फाइनल की हार का बदला ले लिया।

सन्त निरंकारी मिशन द्वारा स्वच्छ जल स्वच्छ मन का कार्यक्रम अयोजित

अखनूर, 23 फरवरी (हि.स.)। सन्त निरंकारी मिशन द्वारा सी.एल. वलोच की अधक्षयता में अखनूर के जियो पोता घाट में स्वच्छ जल स्वच्छ मन के अतंर्गत सफाई अभियान चलाया गया जिसमें मुख्य अतिथि विधायक मोहन लाल थे।

इस मौके पर निरंकारी मिशन के सेवकों द्वारा जियो पोता पार्क के साथ सभी तटिय घाटों की सफाई की गई। इस मौके पर सी.एल. वलोच ने कहा कि हमारा मिशन ही नर सेवा नरायण सेवा है। हर साल हम अपने गुरु जी के जन्मदिवस पर स्वच्छ्ता अभियान चलाकर सेवा करते हैं। आज के दिन पूरे भारत व विश्व में हमारे सेवक यह सफाई के साथ स्वच्छ जल स्वच्छ मन का भी संदेश दे रहे है। इस मौक पर विधायक मोहन लाल ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे भारत में बहुत सी समाज सेवा संस्थाएं हैं जो सेवा भाव लेकर कार्य करती हैं। उनमें एक सन्त निरंकारी मिशन भी है जो पूरे विश्व में ही सेवा कर रही है। सफाई के साथ यह रक्त दान शिवर लगा कर भी मानवता की सेवा कर रहे हैं। आज भी इस स्वच्छता अभियान में शामिल होकर मुझे भी सेवा का मौका मिला है। इस मौके पर पूर्व पार्षद राकेश मल्होत्रा ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर कस्बा के गणमान्य लोग पंडित थोडू राम, सुरेन्द्र महाजन, मोहन शर्मा, सोनिया वर्मा, मास्टर राजू अमन गुप्ता और हरी मंदिर संस्था के लोग भी मौजूद थे।

छात्रों को सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया

जम्मू, 23 फ़रवरी (हि.स.)। छात्रों को सशस्त्र बलों में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय, रियासी में एक प्रेरक सत्र आयोजित किया। 52 छात्रों और 10 शिक्षकों ने भाग लिया। इस सत्र में कैरियर के अवसरों, पात्रता मानदंडों और भारतीय सेना में सेवा करने के लिए आवश्यक कठोर प्रशिक्षण प्रक्रिया के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी गई।

सेना के अधिकारियों ने छात्रों को प्रेरित करने के लिए सम्मान, अनुशासन और प्रतिबद्धता के मूल्यों पर जोर दिया, वास्तविक जीवन के अनुभव और वीरता की कहानियाँ साझा कीं। एक प्रश्नोत्तर सत्र ने छात्रों को सशस्त्र बलों में भर्ती और जीवन के बारे में संदेह स्पष्ट करने का अवसर दिया।

YAC ने दी SDPO भद्रवाह को विदाई

अमीर इकबाल खान

भद्रवाह, 23 फरवरी। युथ एक्शन कमेटी भद्रवाह ने रविवार को निवर्तमान SDPO डॉ. वसीम हमदानी को भावभीनी विदाई दी, उनकी समर्पित सेवाओं और क्षेत्र के प्रति महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की।

YAC अध्यक्ष नसीर महबूब और सलाहकार तारिक अहमद बट सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने डॉ. हमदानी के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की और नागरिकों के सामूहिक हित में उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने कानून प्रवर्तन और जनकल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की भी प्रशंसा की।

अपराध पर अंकुश लगाने, संवेदनशील सामाजिक मुद्दों से निपटने और पुलिस व जनता के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने में उनके प्रयासों की व्यापक रूप से सराहना की गई। विदाई समारोह में भावनात्मक क्षण देखने को मिले, जब प्रतिभागियों ने उनके प्रभावशाली कार्यकाल की यादें साझा कीं, इस संदर्भ में जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया।

अपने संबोधन में, डॉ. हमदानी ने भद्रवाह के लोगों का उनके कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने YAC भद्रवाह की सामुदायिक कल्याण में भूमिका की सराहना की और आश्वासन दिया कि सेवा के दौरान बना यह संबंध भविष्य में भी मजबूत बना रहेगा।

"YAC सदस्यों ने उनकी अविस्मरणीय सेवाओं को रेखांकित किया, विशेष रूप से प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने, साइबर अपराधों जैसे इंस्टाग्राम से जुड़े मुद्दों को हल करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने में उनकी भूमिका की प्रशंसा की, विज्ञप्ति में आगे कहा गया।

Union Territory of Jammu & Kashmir

Office of the Child Development Project Officer Poshan ,Kalakote

email: -icdskalakote@gmail.com

Subject:-Provisional Selection list of Sanginis(Anganwadi Workers) of Poshan Project Kalakote Pursuant to advertisement Notice No.02 of 2024,Dated:-01-03-2024.

Ref:-1. Govt. Order No:- 222- JK(SWD of 2022, dated:-30-11-2022 & Order No.103-JK(SWD) of 2023,dated:- 28-04-2023.

2.Mission Director, Mission Poshan's Letter No. No:- SMD/ICDS /Recruitment /2023-24 /6819-27,dated:- 28.02.2024.

NOTIFICATION

Whereas, vide Advertisement Notification No:-02 of 2024,Dated:-01-03-2024,03(Three) number of posts of Sanginis(Anganwadi Workers) were advertised for filling up of the vacant posts in Poshan Project,Kalakote in pursuance of HR Policy as notified Vide Govt. Order No 222- JK(SWD of 2022, dated:-30-11-2022 read with Govt. order No:- 103-JK(SWD) of 2023,dated:-28-04-2023; and

Whereas, 10 number of applications were received for the vacant posts of Sanginis(Anganwadi Workers) for various Anganwadi centers in different panchayats of Poshan Project,Kalakoteas on last date of receipt of application i.e.18-03-2024;and

Whereas, after scrutiny of applications as per eligibility conditions as contained in the aforementioned advertisement notification, in accordance with HR policy referred above, the tentative provisional merit list alongwith tentative select list has been framed and placed in public domain for seeking objection within period of 10 days, vide notice No:-CDPO/Kalakote/2024-25/520-27,Dated:-24-12-2024;and

Whereas, after lapse of 10 days of objection period as on 06-01-2025, no objections was received; and

Whereas, the Selection Committee in its meeting held on 10-01-2025 recommended the Provisional Select list of 02 candidates as detailed in Annexure"A" and 08 candidates in Merit List as detailed in Annexure"B" as per minutes vide No:- CDPO/Kalakote/2024-25/741,dated:-04-02-2025,except one post of Sangini(AWW) of AWC Mehri Dali-B , W.No. 04and thereafter approved by Additional District Development Commissioner ,Rajouri vide No:- ADDC/R/2024-25/1932,Dated:-18-02-2025,and

Now, therefore ,theProvisional Select List of02 candidates, as Annexure"A" alongwith merit List as Annexure"B" is hereby notified , in term of HRM Policy in pursuance of Govt. Order No 222- JK(SWD of 2022, dated:-30-11-2022 read with Govt. order No:- 103-JK(SWD) of 2023,dated:-28-04-2023, for information of the concerned candidates.

Further ,in terms of Clause-XI of HRM policy/ aforementioned Govt. Order, ,where an candidate feel aggrieved with the selection (if any), may file an appeal before the Deputy Commissioner Rajouri within a period of 10 days from the date of issuance of this notification.

No:-CDPO/ Kalakote/2024-25/774-80Dated:-21/02/2025.

DIP/J-10478/24
Dtd: 22-2-2025

Sd/-
(Hanan Shawal)JKAS
Child Development Project Officer
Poshan Project Kalakote
(Member Secretary Selection Committee

OFFICE OF THE CHILD DEVELOPMENT PROJECT OFFICER KALAKOTE
ANNEXURE"B"
PROVISIONAL MERIT LIST UNDER PHASE-III OF SANGINIS (ANGANWARI WORKERS) ANGANWARI CENTRE /PANCHAYAT WISE VIDE ADVERTISEMENT NOTIFICATION NO.02 OF 2024,DATED:-01-03-2024

S.No	Name of the Project	Name of Panchayat/ Muncipility	Name of Anganwari Centre	Ward Number /Name	Rank	Name of Condidate	Parentage/ Husband Name	Date of Birth (DD-MM-YYYY)	Qualification(As per Clause III-D and Clause III-G of Govt. Order No.103.JK(SWD) of 2023,Dated:-28-04-2023) 10th Marks Obtained	10th Max. Marks	12th Marks Obtained	12th Max. Marks	%	Graduation Yes/No	Adl. Points (2%) of 12th %age	Total Point	Remarks
1	Kalakote	Kothian B	Balli-A	W.No 1	1	Anu Bala	D/O Jagdish Raj	06.04.2000	205	500	263	500	52.60	No	0.00	52.60	
2	Kalakote	Kotekabu	Ranthal	W.No.07	1	Menaz Akther	W/o Altaf Hussain Shah	04.06.1995	300	500	273	500	54.60	No	0.00	54.60	
					2	Mamta Sharma	W/o Gulshan Kumar	02.08.1994	195	500	237	500	47.40	No	0.00	47.40	
					3	Pinki Sharma	W/o Mukesh Kumar	16.02.1991	180	500	312	750	41.60	No	0.00	41.60	
					4	Purnima Sharma	W/o Ajay Kumar	10.04.1990	256	500	260	600	43.33	No	0.00	43.33	Page 2
					5	Mamta	W/o Sunil Kumar	21.03.1992	315	500	365	750	48.67	Yes	0.00	48.67	
					6	Pooja Devi	D/o Rash Paul	15.06.1999	222	500	227	500	45.40	No	0.00	45.40	
					7	Priyanka Sharma	D/o Sita Ram	08.01.2000	196	500	223	500	44.60	No	0.00	44.60	Name do not figure in Panchayat Ward voter List.

OFFICE OF THE CHILD DEVELOPMENT PROJECT OFFICER KALAKOTE
ANNEXURE"A"
PROVISIONAL SELECT LIST UNDER PHASE-III OF SANGINIS (ANGANWARI WORKERS) ANGANWARI CENTRE /PANCHAYAT WISE VIDE ADVERTISEMENT NOTIFICATION NO.02 OF 2024,DATED:-01-03-2024

S.No	Name of the Project	Name of Panchayat/ Muncipility	Name of Anganwari Centre	Ward Number /Name	Rank	Name of Condidate	Parentage/ Husband Name	Date of Birth (DD-MM-YYYY)	Qualification(As per Clause III-D and Clause III-G of Govt. Order No.103.JK(SWD) of 2023,Dated:-28-04-2023) 10th Marks Obtained	10th Max. Marks	12th Marks Obtained	12th Max. Marks	%	Graduation Yes/No	Adl. Points (2%) of 12th %age	Total Point
1	Kalakote	Kothian B	Balli-A	W.No 1	1	Anu Bala	D/O Jagdish Raj	06.04.2000	205	500	263	500	52.60	No	0.00	52.60
2	Kalakote	Kotekabu	Ranthal	W.No.07	1	Menaz Akther	W/o Altaf Hussain Shah	04.06.1995	300	500	273	500	54.60	No	0.00	54.60

संपादकीय

सम्मान सुनिश्चित करें, हिरासत में नहीं

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पुलिस को जम्मू-कश्मीर विकलांग संघ (JKHA) के कई सदस्यों को हिरासत में लेना पड़ा, क्योंकि उन्होंने जम्मू-कश्मीर में रहने वाले शारीरिक रूप से विकलांग लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में सरकार की कथित विफलता के खिलाफ श्रीनगर में प्रेस एन्क्लेव के पास विरोध मार्च निकाला था।

रिपोर्ट के अनुसार, JKHA के दर्जनों सदस्य श्रीनगर में एकत्र हुए और जम्मू-कश्मीर में विशेष रूप से विकलांग समुदाय के कल्याण के लिए तत्काल सरकारी कार्रवाई की मांग की। ऐसी घटनाओं को देखते हुए, जहां शारीरिक रूप से विकलांग लोगों को इस तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, यह आवश्यक हो जाता है कि सरकार और विशेष रूप से विकलांग हितधारकों को बातचीत और चर्चा का एक दो-तरफा चैनल बनाना चाहिए ताकि पहले चर्चा की गई अप्रिय स्थिति न हो, क्योंकि विकलांग संघ के सदस्यों को हिरासत में लेना थोड़ा कठोर कदम है।

सरकार यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी लेती है कि ऐसी स्थितियाँ सामने न आएं जहाँ शारीरिक रूप से विकलांग लोगों को अपनी माँगों को उजागर करने के लिए सड़कों पर आना पड़े। केंद्र और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को दिव्यांगों के मामलों को प्राथमिकता देनी चाहिए और समाज को यथासंभव समावेशी बनाना चाहिए क्योंकि समाज के हर घटक का यह दायित्व है कि वह दिव्यांगों को सुविधाएं देने की दिशा में योगदान दे और यह सुनिश्चित करे कि उनके सम्मान और गौरव को किसी भी तरह से ठेस न पहुंचे।

जम्मू-कश्मीर प्रशासन को इस मुद्दे को प्राथमिकता देनी चाहिए और इस दिशा में काम करना चाहिए जिससे गतिरोध जल्द से जल्द खत्म हो क्योंकि सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए दिव्यांग एसोसिएशन के सदस्यों को हिरासत में लेना बहुत कठोर और अनुचित है।

इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि दिव्यांग लोग सरकार की देखभाल के हकदार हैं इसलिए उसे ऐसे व्यक्तियों की जरूरतों और चिंताओं को संबोधित करने में एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए जो दयालु और व्यावहारिक दोनों हो।

सरकार का यह कर्तव्य है कि वह दिव्यांगों की पहुंच, शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा सहित अन्य मुद्दों को संबोधित करे ताकि संघर्ष और समस्याओं की सभी संभावनाओं को समाप्त किया जा सके जैसे कि श्रीनगर में सामने आई घटना जिसके कारण दिव्यांग एसोसिएशन के सदस्यों को हिरासत में लिया गया।

कुल मिलाकर, सरकार को ऐसा वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में काम करना चाहिए, जहां दिव्यांग व्यक्ति उन्नति कर सकें, तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि उन्हें समान अवसर और सहायता मिले।

सोशल मीडिया का दुष्प्रयोग और सांस्कृतिक संकट

गिरीश्वर मिश्र

सोशल मीडिया आज संचार की दुनिया में एक बड़ी ताक़त के रूप में उभर रहा है। उसकी सक्रिय उपस्थिति से आबालबृद्ध सभी प्रभावित हो रहे हैं। उसकी अपरिहार्य, तीव्र और लुभावनी और सुगम उपस्थिति आज समाज में सबको अपने आगोश में लेती जा रही है। सूचना की दुनिया से आगे बढ़ कर सोशल मीडिया हमारी निजी उपस्थिति और उसकी सार्थकता के आशय और जीवन के सरोकार सबको प्रभावित कर रहा है। हमारी अस्मिता को रचता हुआ वह किसी दुनिया या सत्य का प्रतिनिधित्व या प्रस्तुति से आगे बढ़ कर अपनी एक स्वायत्त दुनिया बना चुका है। उसका अपना वजूद वास्तविक दुनिया को भी गढ़ रहा है। ख़ास तौर पर संचार प्रौद्योगिकी की दुनिया में 'मोबाइल' के ज़रिए सोशल मीडिया ने आम आदमी की ज़िंदगी में जिस तरह की ज़बरदस्त सेंधमारी की है उसका निकट इतिहास में कोई जोड़ नहीं दिखता।

इसकी लोकप्रियता कितनी है इसका अंदाज़ा लगाना बेहद मुश्किल है। लोग जीवन में बिताए जाने वाले समय में घंटों इससे चिपके रहते हैं। सोते समय स्वोपन के मिथ्या जगत में तो हम रहते हैं परंतु आज की सच्चाई यह है कि जाग्रत अवस्था में वर्चुअल या आभासी दुनिया में हमारी आवाजाही वास्तविक दुनिया में जीने की तुलना में बढती जा रही है। आज सबके मन में अपने को रचने, प्रस्तुत करने और एक बड़े विस्तृत फलक पर उपस्थित करने की प्रबल इच्छा जाग रही है। दर्शक को प्रतिभागिता का अवसर देने वाली अंतःक्रियात्मक सोशल मीडिया दर्शक या पाठक को बेहिसाब शक्ति का अहसास कराती है। इसकी लोकप्रियता का गणित ऐसा है कि %इंफलुएंसर % (यू ट्यूबर!) गण देश के सामाजिक-सांस्कृतिक नेता की तरह अभिनंदित होते हैं और अच्छी ख़ासी आर्थिक कमाई भी करते हैं। यानी वर्चुअल दुनिया मुख्य होती जा रही है और वास्तविक दुनिया के दिलो-दिमाग को संचालित कर रही है। वह रंगीन, गतिशील और अत्यंत व्यापक है और इसलिए उसके स्पर्श में आकर आदमी आसानी से बदल जाता है। अब दैनिक जीवन के जीने के सामान्य अभ्यास में 'स्क्रीन टाइम' (संचार और संवाद के गैजेट से जुड़ा रहने में बिताने वाला समय) एक ख़ास मद हो गया है।

यह आभासी दुनिया लोगों को अपने अनुभव-संसार को गढ़ने के लिए कई विकल्पों के साथ असीमित लगने वाली छूट दे रही है और वास्तविक दुनिया में होने वाली गतिविधियों को निर्धारित कर रही है। दर्शक को अपनी निजी स्वतंत्रता के विस्तार का अहसास होता है। इस तरह का यह आभासी दायरा अब इंटरनेट के सहयोग से अपरिमित-सा होता जा रहा है। यह अब मन मस्तिष्क पर छाता हुआ यह आभासी हस्तक्षेप हमारे भाव-जगत को आकार देने लगा है। इस तरह वह जाने अनजाने हमारे स्वभाव को भी बनाते-बिगाड़ते हुए प्रभावित कर रहा है। हमारा स्वाद बदल रहा है। हम क्या हैं और क्या होना चाहते हैं यह सबकुछ मीडिया पर टिकने लगा है। ठीक से कहें तो यह सबको अपनी गिरफ्त में लेता जा रहा है। आदमी के मनो-जगत में प्रवेश कर यह चुपके-चुपके हमारी आकांक्षा, अभिरुचि, गतिविधि और व्यक्तित्व सबको गढ़ने वाला एक अचूक औंजार साबित हो रहा है।

ताजा घटनाक्रम में एक महानगर की प्रतिष्ठित पृष्ठभूमि से आने वाले सुपठित युवा द्वारा की गई अश्लील प्रस्तुति चर्चा का विषय बनी है। वर्चुअल प्लेटफार्म पर अभद्रता की हदें पार करने की इस शिकायत पर सबकी नज़रें गई हैं। यह सब है तो पुराना धंधा परंतु इस बार बात सुप्रीम कोर्ट तक औपचारिक रूप से पहुंच गई। पहुँची ही नहीं बल्कि सर्वोच्च अदालत ने उसका तत्काल संज्ञान भी लिया और पेशी पर आरोपी को अच्छी तरह डांट भी लगाई। पर गौरतलब है कि इसके पहले भी उच्छृंखल रूप से सोशल मीडिया का दुरुपयोग जोर पकड़े हुए था और इसके बाद अभी भी चालू है। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर के रूप में ऐसे महानुभावों को आदर और धन संपदा भी मिलती है। वे रसूखदार लोगों में शुमार होते हैं। इस तरह सोशल मीडिया मनोरंजन, व्यापार, शिक्षा और संस्कार सबको प्रभावित कर रहा है।

सोशल मीडिया में विशेष चिंता वाली उपस्थिति आज सेक्स और हिंसा की व्यापक उपस्थिति है। इसका एक से एक विद्रूप रूप मोबाइल में हर दिन हर घड़ी परोसा जा रहा है । अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र में मूल अधिकार है। परंतु इसके तहत कुछ भी करने की छूट लेने की आज़ादी अधिकार में नहीं है। इस समय सोशल मीडिया और ख़ासतौर पर 'वेब सिरीज़', 'फ़ेसबुक पोस्ट' और 'रील' आदि में आ रही बहुसंख्यक प्रस्तुतियों में भोंडे सेक्स के निर्लज्ज प्रचार का ही बाहुल्य है। इन तक पहुँच पर कोई रोक-छेंक न होने से जवान, बच्चे और बूढ़े सभी इसकी तरफ़ अपनी सुविधानुसार मुखातिब होते हैं। विविध प्रकार की पोर्नोग्राफ़ी का यह दुरन्त विस्तार हर आयु वर्ग, हर धर्म और जाति तथा प्रत्येक आय वर्ग के लोगों को लुभा रहा है। अब यह निजी और गोपनीय नहीं रहा। इसका नशा हर वर्ग में बढ़ रहा है।

स्वतंत्रता की इस मुहिम में नग्न और अर्धनग्न, मांसल स्त्री (और पुरुष) शरीर को, छिपाने-दिखाने की सुनियोजित योजना के साथ, विज्ञापित और प्रदर्शित किया जा रहा है। यह अलग बात है कि इनमें कितने पात्र असली हैं और कितने डीपफ़ेक जैसी तकनीक के सौजन्य से बने हुए हैं। इनमें अवैध और अनैतिक देह-संबंध को खोजते-उघाड़ते और साझा करने की यात्रा शुरू हो गई है। पहले जिसे वेश्यावृत्ति कहते थे उसके नाना रूप उत्तेजक कहानियों और घटनाओं में पिरो कर प्रस्तुत करती प्रचुर सामग्री धड़ल्ले से फैलाए जा रहे हैं। पब्लिक डोमेन में डंप की जा रही इन सामग्रियों में रुपया-पैसा, वासना, सेक्स कारोबार और व्यापार आदि मसलों को जोड़-जाड़ कर एक आकर्षक और कामोत्तेजक दुनिया रच कर दिखाई जाती है। इनमें बहुत-सा बाहर के देशों से उठाई सामग्री भी होती है।

वैध और नाजायज संबंधों की सारी हदों को पार करती इस कल्पित वर्चुअल दुनिया में कुछ भी संभव होता है। इनमें दर्शकों को लुभाने और उनको आकर्षित करने के हर नुस्खे आजमाये जाते हैं। यह क्षणिक सुख का आभास या अहसास करा देती है। इसके चलते लोग इसमें फँस जाते हैं। शब्द, भाषा और चित्रों के माध्यम से अश्लीलता का वीभत्स रूप बेरोक-टोक निर्द्वंद भाव से सब लोगों को मुहैया कराया जा रहा है। इन सबके सम्मिलित प्रभाव कार्य के प्रति अन्यमनस्कता, अव्यवस्थित काल-बोध और अमर्यादित सामाजिक आचरण में प्रतिफलित होता है। एक भयावह बीमारी की तरह इसकी लत लगने पर इसका परिणाम दुर्व्यसन (एडिक्शन) के मर्ज़ में भी तब्दील हो जाता है।

सांस्कृतिक मर्यादाओं की सभी हदों को पार करते हुए विभिन्न प्रकार की प्रकट, सांकेतिक और अप्रत्यक्ष अश्लीलताओं को लगातार परोसते दृश्यों में बाँध कर हर किसी की उत्सुकता को जगाने के लिए प्रत्यक्ष और छद्म तरीकों से भरपूर सामग्री अनियंत्रित रूप से प्रस्तुत की जा रही है। उदारता का युग बाजार में आया, राजनीति में आया और अब घर की चारदीवारी में पहुँच कर लोगों के दिलो-दिमाग़ में खलबली मचा रहा है। इसने समाज की सोच या वैचारिकी में अनियंत्रित खुलेपन का न्योता दिया। इस तरह के बदलाव के पीछे नगरीकरण, सामाजिक गतिशीलता, नौकरी पेशे के जीवन की दुश्वारियाँ मुख्य रही हैं। इस परिवर्तन के केंद्र में भोग और राग की अतुलित बलवती इच्छा वेगवान होती गई। चरित्र, आचार-विचार , शील और सदाचार और इंद्रियों का निग्रह जैसे विचार दकियानूसी और प्रगति के मार्ग में रोड़े की तरह जाने समझे जाने लगे। इस रोग की लपेट में किशोर, युवा और प्रौढ़ सभी आ रहे हैं। फ़गर्लफ्रैंड फ़और फ़ब्वॉय फ्रैंड फ़अब एक स्वीकृत और प्रचलित प्रत्यय और सामाजिक अभ्यास हो चला है। इस तरह की मित्रता की सीमा और परिधि किस तरह चलेगी यह इसमें शामिल किरदारों की भलमनसाहत पर निर्भर करता है। इसमें क्या वर्जित और क्या विहित है, यह मित्रों की अपनी मर्जी पर निर्भर करता है। सेक्स जीवन में नवाचार अब सामाजिक जीवन का हिस्सा हो रहा है। लिव इन रिलेशनशिप और आपसी रजामंदी से प्रौढ़ जनों को सेक्स की वैधानिक स्वीकृति सामाजिक आचरण के नये मानदंड स्थापित कर रही है। सामाजिक जीवन की नई पैमाइश में व्यक्ति ही प्रथम और अंतिम निर्णायक होता जा रहा है।

व्यक्ति की चेतना का उत्कर्ष सदा से वांछित रहा है। काम की गणना पुरुषार्थ में की गई है। श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं 'मैं धर्म के अविरुद्ध काम हूँ।' आज भी प्रश्न यही है कि जीवन में मर्यादा कैसे लाई जाए ? धर्म अर्थात् विवेकसम्मत और संतुलित आचरण का मार्ग कैसे प्रशस्त हो? इस दृष्टि से घर, स्कूल, मीडिया सभी को अपनी ज़िम्मेदारी पहचाननी और निभानी होगी। क़ानून दांव-पेंच का मामला है और वह अपना काम करेगा पर उसका परिणाम भी तभी मिलेगा जब हम मर्यादा में विश्वास करें, वह मर्यादा जो अपने और सबके हित को ध्यान में रख कर स्वीकार की जाती है। सोशल मीडिया को नियमित करने और अमर्यादित उपयोग को रोकना सरकार की वरीयताओं में आना चाहिए। इस तरह के अनर्गल संचार के नकारात्मक प्रभावों से समाज को बचाना आवश्यक है।

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

कितनी उचित है गंगाजल पर बयानबाजी

-रमेश सर्राफ धमोरा

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। विद्वानों का कहना है कि 144 वर्षों के बाद इस बार का महाकुंभ विशेष योग में संपन्न हो रहा है। ऐसे में यहां स्नान करने का सर्वाधिक महत्व है। मकर संक्रांति से प्रारंभ होकर महाशिवरात्रि तक चलने वाला महाकुंभ अब अपने समापन की ओर बढ़ रहा है। सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रयागराज के महाकुंभ में स्नान कर लिया है। समापन तक यह संख्या करीबन 65 करोड़ पहुंचने का अनुमान है।

इस बार महाकुंभ में जितने लोगों ने स्नान किया है वह दुनिया के एक-दो देशों को छोड़कर अधिकांश देशों की कुल जनसंख्या से भी अधिक है। भारत के ही नहीं अपितु विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में स्नान कर पूजा-अर्चना की है। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री, राज्यपाल, सांसद, विधायक सहित देश के आम लोगों के मन में कुंभ स्नान के प्रति जो श्रद्धा देखी जा रही है, वैसी श्रद्धा इससे पहले शायद ही देखी गई होगी।

हालांकि मौनी अमावस्या के अवसर पर महाकुंभ के संगम तट पर भगदड़ मचने से करीबन 37 लोगों की भीड़ में दबकर मौत हो गई थी। इसी तरह कुंभ आने के लिए नई दिल्ली स्टेशन पर एकत्रित भीड़ में भगदड़ मचने से 18 लोगों की मौत हो गई थी। दोनों घटनाएं बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण थी जिसमें प्रशासनिक लापरवाही का बहुत बड़ा हाथ माना जा रहा है। हालांकि दोनों ही घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच हो रही है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद ही असली दोषियों का पता चल सकेगा।

शांतिपूर्वक संपन्न हो रहे कुंभ में ऐसी दो दुर्घटनाएं होने के बाद भी कुंभ स्नान करने वालों की संख्या में कमी नहीं हुई बल्कि दिन प्रतिदिन यह संख्या बढ़ती ही जा रही है। वर्तमान में हर दिन सवा करोड़ से अधिक लोग महाकुंभ में गंगा स्नान कर रहे हैं। आने वाली महाशिवरात्रि पर यह संख्या कई गुना अधिक होने की संभावनाएं व्यक्त की जा रही है, जिसको लेकर बड़े स्तर पर प्रशासनिक तैयारियां की जा रही है। ताकि महाकुंभ में किसी तरह की दुर्घटना की पुनरावृत्ति नहीं हो। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं प्रयागराज आकर महाशिवरात्रि के पवित्र स्नान की तैयारी का जायजा ले चुके हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को पूरी चौकसी बरतने के निर्देश दिए हैं।

जहां एक तरफ महाकुंभ में करोड़ों लोग स्नान कर रहे हैं इस बीच केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा-यमुना का पानी नहाने के योग्य नहीं है। सीपीसीबी ने इस रिपोर्ट को तीन फरवरी को तैयार किया था। रिपोर्ट को तैयार करने के लिए सीपीसीबी ने नौ से 21 जनवरी के बीच प्रयागराज में अलग-अलग जगह पर गंगा-यमुना के 73 सैंपल जमा किए। इन सैंपलों की छह मानकों पानी का पीएच वैल्यू, फीकल कोलीफॉर्म, बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड, केमिकल ऑक्सीजन डिमांड और डिजॉल्वड ऑक्सीजन पर जांच की गयी। जितने भी जगहों से सैंपल लिए गए हैं उनमें ज्यादातर में फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया की मात्रा मानक से अधिक पाई गई है। बाकी के पांच मानकों पर पानी की गुणवत्ता मानक के मुताबिक मिली। सीपीसीबी की वेबसाइट पर दिए आंकड़ों के मुताबिक 29 जनवरी को संगम पर गंगा में फीकल कोलीफॉर्म की मात्रा 2300 पाई गई थी। 29 जनवरी को ही मौनी अमावस्या का पर्व था। इसे महाकुंभ में सबसे बड़ा अमृत स्नान माना गया है। उस दिन गंगा-यमुना में कई करोड़ लोगों ने डुबकी लगाई थी।

महाकुंभ में गंगा के जल की शुद्धता को लेकर लगातार सवालों के बीच देश के जाने-माने वैज्ञानिक पद्मश्री डॉ. अजय सोनकर ने गंगा के जल को सिर्फ स्नान योग्य ही नहीं बल्कि अल्कलाइन वाटर जितना शुद्ध बताया है। संगम, अरैल समेत पांच घाटों के गंगाजल की लैब में जांच के बाद उन्होंने यह दावा किया है। उनका कहना है कि महाकुंभ में 60 करोड़ से अधिक श्रद्धालु के गंगा में स्नान के बाद भी इसकी शुद्धता पर कोई असर नहीं पड़ा है। मिसाइल मैन एपीजे अब्दुल कलाम के साथ वैज्ञानिक विमर्श करने वाले डॉ. अजय कुमार सोनकर ने कहा कि उन्होंने अपनी नैनी स्थित प्रयोगशाला में गंगा के जल की जांच की। गंगाजल की शुद्धता पर सवाल उठाने वालों को प्रयोगाशाला में जांच की चुनौती भी दी। कहा है कि जिसे जरा भी संदेह हो वह मेरे सामने गंगा जल ले और हमारी प्रयोगशाला में जांच कर संतुष्ट हो जाए।

शीर्ष भारतीय वैज्ञानिक डॉ. सोनकर ने कहा है कि गंगाजल सबसे शुद्ध है। यहां नहाने से किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हो सकता है। बैक्टीरियोफेज (बैक्टीरिया खाने वाला) के कारण गंगा जल की शुद्धता बरकरार है। प्रयोगशाला में जल के नमूनों को 14 घंटों तक इंक्यूबेशन तापमान पर रखने के बाद भी उनमें किसी भी प्रकार की हानिकारक बैक्टीरिया की वृद्धि नहीं हुई। डॉ. अजय सोनकर ने कहा कि गंगा का जल न केवल स्नान के लिए सुरक्षित है। बल्कि इसके संपर्क में आने से त्वचा संबंधी रोग भी नहीं होते हैं।

डॉ. अजय कुमार सोनकर ने बताया कि पांच घाटों से गंगा जल के नमूने लिए और लैब में सूक्ष्म परीक्षण किया। इस दौरान पाया गया कि करोड़ों श्रद्धालुओं के स्नान के बावजूद जल में न तो बैक्टीरियल ग्रोथ हुई न ही जल के पीएच स्तर में कोई गिरावट आई। इस शोध में पाया कि गंगा जल में 1100 प्रकार के बैक्टीरियोफेज मौजूद हैं। जो किसी भी हानिकारक बैक्टीरिया को नष्ट कर देते हैं। इस वजह से जल दूषित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि गंगा जल की अम्लीयता (पीएच) सामान्य से बेहतर है और उसमें किसी भी प्रकार की दुर्गंध या जीवाणु वृद्धि नहीं पाई गई। गंगाजल के सैंपल का पीएच स्तर भी 8.4 से लेकर 8.6 तक पाया गया। जो काफी बेहतर माना गया है।

सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने 3 फरवरी को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक रिपोर्ट देकर बताया कि प्रयागराज संगम का पानी नहाने के लिए उपयुक्त नहीं है। इसके बाद यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने 18 फरवरी को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में एक नई रिपोर्ट देकर सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की रिपोर्ट को झुठला दिया है। इस रिपोर्ट में बताया है कि नाले का पानी प्रयागराज की गंगा-यमुना नदी में सीधे तौर पर नहीं गिर रहा। कुल छह प्वाइंट पर पानी नहाने लायक है। सिर्फ शास्त्री ब्रिज के नीचे पानी की गुणवत्ता थोड़ी बहुत सही नहीं है और इसके जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की जा रही है।

हालांकि एनजीटी ने इस नई रिपोर्ट पर असंतोष जताया है। कहा कि अगर सेंट्रल की रिपोर्ट गलत है तो यूपी वाले एक्शन लें। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से गंगा-यमुना के पानी की गुणवत्ता पर एक हफ्ते में नई विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस पर अगली सुनवाई 28 फरवरी को होगी। दरअसल ये पूरा मामला उन 60 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा है, जो महाकुंभ में संगम स्नान करने प्रयागराज आए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के श्रद्धालुओं पर संभावित असर को देखते हुए ही यूपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड ने नई रिपोर्ट बनाकर इसका जवाब दिया है।

गंगाजल की शुद्धता को लेकर राज्य और केंद्रीय पॉल्यूशन बोर्ड में जो खींचतान मची हुयी है उसका असर कुम्भ स्नान के लिये आने वाले लोगों पर नहीं देखा जा रहा है। आनेवालों की भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है। लोगों की आस्था में कहीं कोई कमी नही देखी जा रही है। प्रयागराज के महाकुम्भ में करोड़ो लोगों ने स्नान किया है मगर किसी कोई दिक्कत होने की खबर नहीं मिली है। ऐसे में गंगाजल की शुद्धता को लेकर विवाद करने से अच्छा है जनभावनाओं का सम्मान करें।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

रिश्वत का ट्रम्प कार्ड!

-कौशल मूंदड़ा

अमरीका ने मान लिया है कि रिश्वत ट?यवसाय के लिए जरूरी है। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमरीकी कंपनियों को साफ-साफ संकेत दिया है, रिश्वत दे दो - ठेके ले लो, अमरीका में उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी। हाल ही में ट्रंप प्रशासन ने जिस विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए) पर रोक लगाई है, वह अमेरिका से जुड़ी फर्मों और लोगों को विदेश में अपने व्यापार को सुरक्षित करने के लिए विदेशी अधिकारियों को पैसे या उपहार या किसी भी तरह की रिश्वत देने से प्रतिबंधित करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने करीब 50 साल पुराने इस कानून को निलंबित कर दिया है। इस कानून पर रोक लग जाने के बाद अमरीकियों के लिए विदेशों में व्यापार के लिए रिश्वत देना अपराध नहीं रहेगा। ट्रम्प ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को इस कानून के तहत दिए गए फैसलों की समीक्षा करने के लिए गाइडलाइन्स बनाने के निर्देश दिए हैं।

ट्रंप का कहना है कि यह कानून अमरिकी कंपनियों के लिए 'एक आपदा' है। ट्रंप का कहना है कि जब अन्य देशों की कंपनियां आसानी से रिश्वत देकर व्यापार कर रही है ऐसे में यह कानून अमरिकी व्यापारियों को वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्द्धा में कमजोर बना रहा है। ट्रंप ने इस कानून को 'जिम्मी कार्टर की बेकार योजना' बताया और कहा कि इससे अमेरिकी कंपनियों को बड़ा नुकसान हो रहा है। अब अमरीकी कंपनियों के खिलाफ एफसीपीए के तहत मुकदमे दर्ज नहीं किए जाएंगे। यानी अब अमेरिकी कंपनियां विदेशी अधिकारियों को रिश्वत देकर अपने सौदे पक्के कर सकती हैं।

अमरीकी रा?ट्रपति इस समय महाशक्ति होने के नाते दुनिया के सामने स?वयं को आदर्श के रूप में प्रस?तुत करने के बजाय ट?यापार और ट?यवसाय के क्षेत्र में अपने देश का वर्चस?व स?थापित करने का प्रयास कर रहे हैं, अपने इन प्रयासों के तहत वे अपने देश के ट?यापारियों को आश?वस?त कर रहे हैं कि अगर वे दुनिया के अन?य देशों में रिश?वत देकर ट?यवसाय हासिल करते हैं तो उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी। ट्रम्प के इस निर्णय का सीधा-सीधा संकेत समझा जा सकता है कि रिश्वतखोरी और रिश्वतखोरों को सुधारा नहीं जा सकता, इसलिए रिश्वत-रिश्वतखोरी-रिश्वतखोरों का रोना रोने से अच्छा है कि रिश्वत को मान्यता ही दे दी जाए।

ट्रम्प के इस ट्रम्प कार्ड ने बिटवीन द लाइन्स बहुत सारी बात कह दी है। जो लोग रिश्वत खाकर खुद को व्हाइट कॉलर होने का दिखावा करते हैं, उन पर भी सीधी-सीधी चोट कर दी गई है। महाशक्ति ने स्वीकार कर लिया है कि रिश्वतखोरी होती ही है, ऐसे में कोई दिखावा करने वाली बात है ही नहीं। आम जनता तो बोलती ही है, अब संवैधानिक पद पर चुने हुए नेता भी बोल रहे हैं तो उसके मायने साफ हैं, डील अब सीधी-सीधी कर लो। ट्रम्प के संकेत स्पष्ट हैं कि सारे काम इसी तरह हो रहे हैं, फिर शर्माना कैसा।

लेकिन, ट्रम्प ने अपने देश के ट?यापारियों को रिश?वत का ट्रम्प कार्ड अमरीका से बाहर खेलने के संकेत दिए हैं।

अमरीका के भीतर रिश्वतखोरी को ट्रम्प शायद ही बर्दाश्त करें। इसकी बानगी उनके पीछे-पीछे आए मस्क के बयान से भी समझी जा सकती है। अमरीका में डिपार्टमेंटऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) के प्रमुख एलन मस्क ने ट्रम्प के रिश्वत वाले निर्णय के एक दिन बाद व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार पर हावी नौकरशाही को कठघरे में खड़ा किया। मस्क ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार के स्थान पर वास्तव में ब्यूरोक्रेसी सरकार चलाती रही है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बाद पावरफुल माने जाने वाले एलन मस्क का यह बयान भी बड़े संकेत दे गया है। जब अमरीका में ही शीर्ष नेतृत्व ने ब्यूरोक्रेसी को लेकर ऐसी धारणा बयां की है, तब अन्य देशों की स्थिति पर चर्चा शुरू होनी ही है।

अब तक आम आदमी ही पीड़ा में इस तरह की बातें करता रहा है, इस देश को जनप्रतिनिधि नहीं बल्कि ईस्ट इंडिया कम्पनी के बाद आईएएस और आरएएस नाम की कम्पनियां चला रही हैं। रियासतकाल में सिर्फ 565 रियासतों के राजा ही वीआईपी होते थे, अब तो हर छोटा-मोटा अफसर वीआईपी है। अफसर तो अफसर, उनका परिवार भी वीआईपी ही होता है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है किसी बड़े मंदिर में लगी दर्शनार्थियों की कतार के बीच अफसरों के परिवारजनों का पुलिस सुरक्षा में बेधड़क आगे पहुंच जाना। आम आदमी यह नजारा आए दिन देखता है।

शायद इन्हीं परिस्थितियों को विश्व की महाशक्ति के नेताओं ने समझा और रिश्वतखोरी और नौकरशाही को चर्चा के केन्द्र में ला दिया है। समझना मुश्किल नहीं है कि अब रिश्वतखोर को आम आदमी खुलेआम भ्रष्ट कह दे तो आश्चर्य नहीं होगा, आम आदमी यह तर्क दे सकता है कि भई, कष्ट क्यों हो रहा है, अब तो अमरीका ने खुले आम रिश्वत देने की बात कह दी है। अब तक अंडर द टेबल की इबारत यूज की जाती थी, अब तो टेबल के ऊपर ही डील हो जाएगी। लेकिन, ऊपर द टेबल में मजा यह भी आ सकता है कि रिश्वत की बोली लगे। मसलन किसी ठेके को लेने के लिए न्यूनतम रिश्वत निर्धारित कर दी जाए और उसके बाद ठेका प्राप्त करने के इच्छुक आवेदक उसके ऊपर बोली लगाएं, जिसकी सबसे ज्यादा होगी, उसे ठेका दे दिया जाएगा।

महेश भूपति पहुंचे पटना, टेनिस के उभरते खिलाड़ियों से की मुलाकात

एजेंसी

पटना। भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी महेश भूपति ने आज पटना का दौरा किया और यहां के उभरते टेनिस खिलाड़ियों से मुलाकात की। उन्होंने खिलाड़ियों से उनकी ट्रेनिंग, खेल तकनीकों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। युवा खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए उन्होंने उन्हें खेल के प्रति समर्पित रहने और निरंतर मेहनत करने की सलाह दी। महेश भूपति ने बिहार सरकार के खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ बी राजेंदर और निदेशक महेंद्र कुमार से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बिहार में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधाओं पर चर्चा की। इसके अलावा, उन्होंने बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रन शंकरण से भी भेंट की और राज्य में खेलों को प्रोत्साहित करने की दिशा में हो रहे कार्यों की जानकारी ली। महेश भूपति ने बिहार में खेलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। महेश भूपति ने कहा कि बिहार में खेलों की अपार संभावनाएं हैं और आने वाले वर्षों में यहां के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे। उन्होंने राज्य में टेनिस और अन्य खेलों के विकास के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए और भविष्य में बिहार के खिलाड़ियों के साथ और अधिक जुड़ने की इच्छा व्यक्त की। इस यात्रा से न केवल युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिली, बल्कि बिहार में खेल संस्कृति को और मजबूत करने की दिशा में नई संभावनाएं भी खुलीं।

एक क्रिकेट मैच से कहीं बढ़कर है भारत-पाकिस्तान मुकाबला : स्टीव वॉ

नई दिल्ली। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के आगाज के साथ ही ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और लॉरियस अकादमी के सदस्य स्टीव वॉ ने टूर्नामेंट के खिताबी दावेदारों को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने भारत, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की अच्छी शुरुआत को देखते हुए भारत को प्रबल दावेदार बताया। वॉ ने एक आधिकारिक बयान में कहा, इन परिस्थितियों में भारत मजबूत नजर आ रहा है। न्यूजीलैंड के पास भी संतुलित टीम है। ऑस्ट्रेलिया को कम नहीं आंक सकते, वे हमेशा प्रतिस्पर्धी रहते हैं। इंग्लैंड और पाकिस्तान भी खतरनाक साबित हो सकते हैं। टूर्नामेंट में 23 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले को लेकर वॉ ने कहा, भारत और पाकिस्तान का मुकाबला सिर्फ क्रिकेट नहीं, बल्कि उससे कहीं ज्यादा होता है। भारत पसंदीदा हो सकता है लेकिन एकदिवसीय क्रिकेट काफी अप्रत्याशित होता है। कोई भी खिलाड़ी अकेले दम पर मैच पलट सकता है।

न्यूजीलैंड से होने वाले अहम मुकाबले से पहले बांग्लादेश को महमुदुल्लाह के फिट होने की उम्मीद

नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में भारत के खिलाफ मैच में मिली हार के बाद बांग्लादेश को न्यूजीलैंड के खिलाफ करो या मरो मैच से पहले सीनियर बल्लेबाज महमुदुल्लाह की उपलब्धता की उम्मीद है। बांग्लादेश को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए 24 फरवरी को रावलपिंडी में होने वाले मैच को जीतना जरूरी है। अपने पिछले चार एकदिवसीय मैचों में चार अर्द्धशतक बनाने वाले महमुदुल्लाह को भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले प्रशिक्षण के दौरान पिंडली की मांसपेशियों में खिंचाव का सामना करना पड़ा, जिससे मैच के लिए बांग्लादेश की टीम का कॉम्बिनेशन बिगड़ गया और मैच में उनकी कमी महसूस की गई। भारत के खिलाफ मैच के पहले घंटे में बांग्लादेश की टीम ने केवल 35 रनों पर 5 विकेट खो दिए थे, इसके बाद तौहीद हृदोय के शतक और जेकर अली के अर्धशतक की बदौलत बांग्लादेश की टीम 228 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच सकी। इस बीच, 19 फरवरी को कराची में टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में पाकिस्तान को 60 रन से हराने के बाद न्यूजीलैंड आत्मविश्वास से भरपूर है। ब्लैक कैप्स पाकिस्तान में त्रिकोणीय श्रृंखला में अपनी जीत से भी उत्साहित हैं, जहां उन्होंने मेजबान टीम के खिलाफ सभी मैच जीते थे।

युवराज सिंह का बाऊंड्री रोप पर जोरदार कैच, टीम 4 रन से जीती

नई दिल्ली। नवी मुंबई की डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में इंडिया मास्टर्स ने खेले गए रोमांचक मुकाबले के दौरान श्रीलंका मास्टर्स को 4 रन से हरा दिया। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी20 के तहत खेले गए इस मुकाबले में इंडिया मास्टर्स ने पहले खेलते हुए गुरकीरत के 33, स्टुअर्ट बिन्नी के 68, यूसुफ पठान ने 56 रन बनाकर स्कोर 222 रन तक पहुंचा दिया। जवाब में खेलने उतरी श्रीलंकाई टीम ने एक समय संगाकरा और थिरमाने की बदौलत मजबूत शुरूआत की लेकिन तभी 8वें ओवर में इंडिया मास्टर्स के युवराज सिंह ने बाऊंड्री रोप पर जोरदार कैच पकड़कर कैच का पासा ही पलट दिया। थिरमाने ने इरफान पठान की गेंद पर सीधी शॉट लगाई थी जिसे बाऊंड्री रोप पर पहले से मुस्तैद खड़े युवराज ने छलांग लगाकर पकड़ लिया।

एशिया कप में भारतीय तीरंदाजों का जलवा, 5 स्वर्ण पदक जीते

एजेंसी

बैंकॉक। भारतीय तीरंदाजों ने एशिया कप 2025 तीरंदाजी टूर्नामेंट में आठ पदक, पांच स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य के साथ अपने अभियान का शानदार समापन किया। भारत ने रिकर्व और कंपाउंड दोनों स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और रिकर्व में तीन व कंपाउंड में दो स्वर्ण पदक हासिल किए। भारत की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि सीनियर पुरुष कंपाउंड टीम स्पर्धा में आई, जहां 21 वर्ष से कम उम्र के कुशल दलाल, मानव गणेशराव जाधाओ और गणेश मणि रत्नम थिरुमुरु की युवा तिकड़ी ने 2129 के कुल स्कोर के साथ अंडर -21 विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया। भारतीय टीम ने फाइनल में मलेशिया को 237-233 से हराया, जबकि दक्षिण कोरिया तीसरे स्थान पर रहा। दलाल ने पुरुषों की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में दक्षिण कोरिया के चोई योंगही को 148-144 से हराकर स्वर्ण पदक जीतकर अपना दबदबा कायम किया। मलेशिया के

अकील मुहम्मद ग़ज़ाली ने कांस्य पदक जीता।रिकर्व वर्ग में, गोल्डी मिश्रा, राहुल राहुल और विष्णु चौधरी की भारतीय पुरुष टीम ने फाइनल में चीन पर 5-1 की शानदार जीत के बाद स्वर्ण पदक जीता। ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर रहा। विष्णु चौधरी ने व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में अपना स्वर्णिम प्रदर्शन जारी रखते हुए फाइनल में हमवतन राहुल को 6-2 से हराया। चीनी ताइपे की लियू ताई-येन ने कांस्य पदक हासिल किया। महिलाओं की रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत की बसंती महतो ने 0-4 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए चीनी ताइपे की फोंग यू झू को 6-4 से हराया और भारत के लिए एक और स्वर्ण पदक हासिल किया। चीन की वू जियाक्सिन ने कांस्य पदक जीता।

मिश्रित रिकर्व टीम स्पर्धा में विष्णु चौधरी और बसंती महतो को फाइनल में चीन से 6-0 से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। चीनी ताइपे तीसरे स्थान पर रहा।इस बीच, अवनीत कौर, मधुरवर्षिनी मुरुगनाथम और चिकिथा तानीपर्थी की भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने ईरान के खिलाफ तनावपूर्ण शूट-ऑफ के बाद कांस्य पदक जीता। भारत के जीतने से पहले दोनों टीमें 232 रन पर बराबरी पर थीं। दक्षिण कोरिया ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि कजाकिस्तान ने रजत पदक हासिल किया।

चंडीगढ़ में केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने खेल अवसंरचना के विकास पर की उच्च स्तरीय बैठक

एजेंसी

चंडीगढ़। भारत में खेलों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के संकल्प के तहत केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज चंडीगढ़ में एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में पंजाब सरकार, चंडीगढ़ प्रशासन और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के क्षेत्रीय केंद्र के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य उत्तर भारत में खेल अवसंरचना को और मजबूत करना था।

डॉ मांडविया ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलों को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गई हैं, जिनमें खेलो इंडिया, फिट इंडिया और टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम प्रमुख हैं। हमारा लक्ष्य ऐसी विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जहां युवा प्रतिभाएं निखरकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करें। उन्होंने यह भी कहा कि खेल केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह अनुशासन, मेहनत और देशप्रेम की भावना को भी मजबूत करते हैं। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री ने कबड्डी, हैंडबॉल, जूडो, बॉक्सिंग, कयाकिंग और कैनोइंग जैसे खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 30 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित किया। ये खिलाड़ी 38वें राष्ट्रीय खेलों सहित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुके हैं। ये सभी भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के प्रशिक्षण केंद्रों और राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों में कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

विश्व कप के लिए 35 सदस्यीय भारतीय शूटिंग टीम की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अमेरिका में अप्रैल में दो चरणों में शुरु होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप के लिये 35 सदस्यीय भारतीय शूटिंग टीम की घोषणा कर दी गयी।ये टीम आगामी संयुक्त (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप में हिस्सा लेगी। ये प्रतियोगिताएं ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना (1-11 अप्रैल) और लीमा, पेरू (13-22 अप्रैल) में आयोजित होंगी। डबल ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मनु भाकर एक बार फिर दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं महिला 10 मीटर एयर पिस्टल और महिला 25 मीटर पिस्टल में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र एथलीट होंगी। अन्य पेरिस ओलंपियन में अनीश और विजयवीर सिद्धू (पुरुष 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल), ईशा सिंह (महिला 25 मीटर पिस्टल), ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन), सिफत कौर समरा और श्रियांका सदांगी (महिला 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन), अर्जुन बाबूता (पुरुष 10 मीटर एयर राइफल), पृथ्वीराज टोंडाईमान (पुरुष ट्रैप), अनंतजीत सिंह नरूका (पुरुष स्कीट) और राइज़ा ढिल्लों (महिला स्कीट) शामिल हैं। टीम के प्रस्थान से पहले एक राष्ट्रीय शिविर का आयोजन 14 मार्च से दिल्ली स्थित डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में किया जाएगा। राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के महासचिव, कुंवर सुल्तान सिंह ने कहा, 'भारत के सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज एक बार फिर विश्व के दिग्गजों को चुनौती देने के लिए तैयार हैं। भारत सरकार और खेल मंत्रालय ने हमारी तैयारियों और प्रशिक्षण को और अधिक मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दिया है। पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन के बाद, अब पूरे शूटिंग समुदाय पर नई जिम्मेदारी है कि हम अपने स्तर को और ऊंचा उठाएं। हमें पूरा विश्वास है कि अंतरराष्ट्रीय सीजन के इन शुरुआती टूर्नामेंटों में हमारे निशानेबाज शानदार प्रदर्शन करेंगे।'

बिहार भविष्य में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी देगा : महेश भूपति

एजेंसी

पटना। भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी महेश भूपति ने बिहार में खेलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की सराहना करते हुए आज कहा कि यह प्रदेश भविष्य में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी देगा।

श्री भूपति ने पटना का दौरा किया और यहां के उभरते टेनिस खिलाड़ियों से मुलाकात की और खिलाड़ियों से उनके प्रशिक्षण, खेल तकनीकों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा के दौरान बिहार में खेलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए उन्होंने उन्हें खेल के प्रति समर्पित रहने और निरंतर मेहनत करने की सलाह दी।

टेनिस दिग्गज ने कहा, ÷बिहार में खेलों के प्रति बढ़ती जागरूकता और उभरते खिलाड़ियों की प्रतिभा देखकर बेहद खुशी हो रही है। यह राज्य भविष्य में कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी देगा। बिहार में टेनिस को और अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए बेहतर आधारभूत संरचना, प्रशिक्षकों और प्रतियोगिताओं की आवश्यकता है। श्री भूपति ने कहा कि बिहार में खेलों की अपार संभावनाएं हैं और आने वाले वर्षों में यहां के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाएंगे। उन्होंने राज्य में टेनिस और अन्य खेलों के

विकास के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए और भविष्य में बिहार के खिलाड़ियों के साथ और अधिक जुड़ने की इच्छा व्यक्त की।

हेनरी की विस्फोटक पारी से यूपी वारियर्स ने चखा पहली जीत का स्वाद

एजेंसी

बेंगलुरु। शिनेल हेनरी (28 गेंद में 62 रन) की आतिशी पारी की मदद से यूपी वारियर्स ने वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के एक मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 33 रन की आसान जीत दर्ज की। यूपी वारियर्स ने पहले खेलते हुये नौ विकेट पर 177 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया जिसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की पारी 19.3 ओवर में 144 रन बना कर सिमट गयी। यूपी की जीत की नायक शिनेर हेनरी बनी जिन्होने अपनी दिलेर पारी से यूपी की उम्मीदों को हवा दी जबकि बाद में क्रांति गौड़ (25 पर चार विकेट) और ग्रेस हैरिस (15 रन पर चार विकेट) ने दिल्ली का पुलिंदा बांधने मे कोई कमी नहीं छोड़ी। दिल्ली की तरफ से जेमिमाह रॉड्रिग्स (56) ने अपने अंदाज के अनुरुप धाकड़ बल्लेबाजी की और मात्र 35 गेंदो की पारी में आठ चौके और एक छक्का जड़ दिया

मगर मध्यक्रम ने उनका साथ नहीं दिया और दिल्ली के सात खिलाड़ी अपने निजी स्कोर को दहाई तक पहुंचाने में भी विफल साबित हुये। इससे पहले शैफाली वर्मा 24 रन का योगदान दिया मगर इन फार्म मेन लानिंग (5) का बल्ला आज नहीं चला।इससे पहले एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक समय यूपी के छह खिलाड़ी 89 रन जोड़ कर पवेलियन लौट चुके थे और चंद ओवरों का खेल बचा था। ऐसे में हेनरी के बल्ले से निकली आग से दिल्ली के गेंदबाज झुलस गये। हेनरी ने मैदान के चारों तरफ चौके छक्कों की बौछार कर दी और यूपी का स्कोरबोर्ड हवा से बातें करने लगा।

हेनरी ने अपनी विस्फोटक पारी के दौरान आठ गगनचुंबी छक्के और दो चौके लगाये। वह यूपी की पारी की अंतिम गेंद पर जानासन का शिकार बनी। हेनरी के अलावा किरण नवगिरे (17),दीप्ति शर्मा (13),तालिया मैग्रा (24),श्वेता सहरावत (11) और सोफ़ी एकल्सटन (12) अपने स्कोर को दहाई तक पहुंचाने में सफल रहीं। दिल्ली की ओर से जेस जानासन ने 31 रन खर्च कर यूपी के चार बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखायी जबकि अरुंधति रेड्डी और मरीड़ान काप ने दो दो विकेट झटके।

जीवन नेदुनचेझियान-विजय सुंदर प्रशांत की जोड़ी ने जीता महा ओपन एटीपी चैलेंजर का खिताब

एजेंसी

पुणे। भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी जीवन नेदुनचेझियान और विजय सुंदर प्रशांत की जोड़ी ने महा ओपन एटीपी चैलेंजर 100 का युगल खिताब जीत लिया है। पुणे के म्हालुंगे बालेवाड़ी टेनिस स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने दूसरी वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ब्लेक बेयल्डन और मैथ्यू क्रिस्टोफर रोमियोस को 3-6, 6-3, 10-0 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया।यह जीवन और प्रशांत की जोड़ी का एक साथ पहला खिताब था, जबकि प्रशांत के लिए पुणे में यह तीसरा खिताब रहा। इस शानदार जीत के साथ भारतीय जोड़ी को 7 लाख रुपये की पुरस्कार राशि और 100 एटीपी अंक मिले। इससे जीवन की विश्व रैंकिंग 94वें और प्रशांत की 104वें स्थान पर पहुंच गई। खेले जाने वाले एकल फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी ब्रैंडन होल्ट का मुकाबला चेक गणराज्य के गैरवरीयता प्राप्त डेलिबोर स्वेरसीना से होगा।

सेमीफाइनल मुकाबले में 26 वर्षीय और छठी वरीयता प्राप्त ब्रैंडन होल्ट, जो दुनिया में 153वें स्थान पर हैं, ने आठवीं वरीयता प्राप्त कनाडा के एलेक्सिस गैलारन्यू को 7-5, 6-4 से हराने में एक घंटे 34 मिनट का समय लिया। पहले सेट में 5-0 की बढ़त लेने के बाद होल्ट को गैलारन्यू ने 5-5 की बराबरी पर ला दिया।

सुशीला चानू ने पूरे किये 250 अंतर्राष्ट्रीय मैच,हॉकी इंडिया ने दी बधाई

एजेंसी

भुवनेश्वर। हॉकी इंडिया ने भारत के लिए 250 अंतर्राष्ट्रीय कैप पूरा करने पर सुशीला चानू पुखरामबम को बधाई दी। अर्जुन पुरस्कार विजेता ने ओडिशा के कलिंगा हॉकी स्टेडियम में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024/25 में जर्मनी के खिलाफ भारत के लिये 250वें मैच का प्रतिनिधित्व किया। 32 वर्षीय अनुभवी खिलाड़ी का एक दशक से अधिक समय तक भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए एक शानदार करियर रहा है और उन्हें भारत की सबसे प्रसिद्ध महिला हॉकी खिलाड़ियों में जाना जाता है। सुशीला ने अपना सफर भारतीय जूनियर महिला टीम की कप्तान के रूप में शुरू किया, जिसने 2013 में महिला हॉकी जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीता और तब से लगातार सीनियर टीम में अपना स्थान पक्का किया। पूर्व भारतीय कप्तान ने 2016 रियो ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में अपनी टीम का नेतृत्व किया, जो 1980 के बाद पहली टीम थी। उन्होंने 2014 एशियाई खेलों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया जहां भारत ने कांस्य पदक जीता।

अनुभवी मिडफील्डर 2017 एशिया कप में भारत की महत्वपूर्ण स्वर्ण पदक जीत का भी हिस्सा थी और इससे पहले 2014 और 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी है ।सुशीला ने टोक्यो ओलंपिक गेम्स 2020 के लिए भारत की योग्यता सुनिश्चित करने और टूर्नामेंट में टीम के ऐतिहासिक चौथे स्थान को सुनिश्चित करने के लिए भी कड़ी मेहनत की। 2022 में, सुशीला ने भारत को राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों और एशिया कप में कांस्य पदक दिलाने में मदद की। उन्होंने 2024 में भारत की लगातार दूसरी एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीत में भी बड़ी भूमिका निभाई। विश्व मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने के उनके अथक प्रयासों के लिए, सुशीला को 2023 में भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।मील के पत्थर तक पहुंचने पर सुशीला ने कहा, मैं अपने देश के लिए 250 अंतर्राष्ट्रीय कैप पूरे करने के लिए आभारी हूं। यह अब तक एक अद्भुत यात्रा रही है और मैं आने वाले वर्षों में अपने देश के लिए और भी अधिक प्रतिनिधित्व करने और जीतने की उम्मीद कर रही हूं। उन्होंने कहा, इस भावनात्मक और विशेष क्षण पर, मैं अपने परिवार, टीम के साथियों और सहयोगी स्टाफ को मुझ पर विश्वास करने और इस उपलब्धि को हासिल करने में मदद करने के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। वर्षों से अपने सभी साथियों के बिना, मैं इसे कभी हासिल नहीं कर पाती, इसलिए मैं उन सभी की आभारी हूं जो मेरी यात्रा का हिस्सा रहे हैं और वर्षों से मेरी मदद की है। सुशीला ने कहा ÷मैं हॉकी इंडिया को उनके निरंतर समर्थन और मुझे अपने देश के लिये खेलने का अवसर देने के लिए भी धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं और भी कड़ी मेहनत करने और मैदान पर अपना सब कुछ देने का वादा करती हूं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने सुशीला को बधाई देते हुए कहा, ÷ यह देखकर बेहद गर्व महसूस हो रहा है कि सुशीला ने भारत के लिए अपना 250वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला है। उन्होंने यहां तक पहुंचने के लिए बहुत कड़ी मेहनत की है और हम मैदान पर उनके अथक प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद देते हैं। मुझे यकीन है कि यह युवा पीढ़ियों को प्रेरित करेगा, खासकर मणिपुर में जहां से हमने अनगिनत विशेष प्रतिभाओं को आगे बढ़ते देखा है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, मैं सुशीला के लिए बेहद खुश हूं क्योंकि यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए सरकारी बाबू को मुफ्त पास नहीं बांटेगी पीसीबी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पहली बार मौजूदा चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान दीर्घाओं , वीआईपी क्षेत्र या हास्पिटेलिटी बॉक्स के लिए कोई मुफ्त पास नहीं देने का फैसला किया है। आम तौर पर पाकिस्तान में जब भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट होता है तो पीसीबी मीडिया, सरकारी महकमों, वीआईपी या प्रायोजकों के लिए मुफ्त पास के तौर पर टिकट रखता है। इस बार पीसीबी अध्यक्ष के निजी मेहमानों और प्रायोजकों के लिए कुछ टिकट को छोड़कर कोई कोटा या मुफ्त पास नहीं रखे गए हैं। चैम्पियंस ट्रॉफी के टिकटों की प्रक्रिया से जुड़े आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा कि पीसीबी अधिकारियों पर भारी दबाव है क्योंकि मुफ्त पास पाने के आदी लोग उनसे बार बार मांग रहे हैं लेकिन उन्हें कहा जा रहा है ।

71वीं सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिपः हरियाणा, महाराष्ट्र और सर्विसेज़ की दमदार शुरुआत

एजेंसी

कटक। 71वीं सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप में नॉकआउट चरण का रोमांच चरम पर पहुंच गया है। कटक के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबलों में शीर्ष टीमों ने अपना दबदबा दिखाया, जिससे टूर्नामेंट और भी दिलचस्प हो गया।

हरियाणा की संघर्षपूर्ण जीतः डिफेंडिंग चैंपियन हरियाणा को तमिलनाडु के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। हालांकि, अनुभवी योगेश कथुनिया और आशु मलिक की अगुवाई में हरियाणा की मजबूत रेडिंग यूनिट ने शानदार प्रदर्शन किया और 48-41 के अंतर से जीत दर्ज की। मुकाबले में तमिलनाडु की टीम ने दमदार खेल दिखाया, लेकिन अंतिम क्षणों में हरियाणा ने बढ़त बना ली। सर्विसेज़ की धमाकेदार जीतः नवीन कुमार के नेतृत्व में सर्विसेज़ ने अपने कौशल और संतुलित खेल का परिचय देते हुए मध्य प्रदेश को 57-22 से मात दी। उनके मजबूत डिफेंस और आक्रामक रेडिंग की बदौलत यह मुकाबला पूरी तरह से एकतरफा साबित हुआ। इस प्रदर्शन के साथ सर्विसेज़ ने खुद को खिताब के प्रमुख दावेदारों में शामिल कर लिया है। पंजाब की एकतरफा जीतः कबड्डी की एक और दिग्गज टीम पंजाब ने बिहार के खिलाफ शानदार खेल दिखाया और 47-18 के बड़े अंतर से जीत हासिल की। उनकी टीम ने शुरुआत से ही नियंत्रण बनाए रखा और बिहार को वापसी का कोई मौका नहीं

दिया। महाराष्ट्र ने मेजबान ओडिशा को हरायाः मेजबान ओडिशा को महाराष्ट्र के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, जहां आकाश शिंदे, अजीत चौहान और पंकज मोहिते जैसे खिलाड़ियों के दमदार खेल की बदौलत महाराष्ट्र ने 43-26 से जीत दर्ज की। घरेलू दर्शकों के समर्थन के बावजूद ओडिशा की टीम महाराष्ट्र की रणनीतिक बढ़त को नहीं रोक सकी।

डकेट पर भारी इंग्लिस की पारी, आस्ट्रेलिया पांच विकेट से जीता

एजेंसी

लाहौर। इंग्लैंड के बेन डकेट (165) की रिकार्ड पारी पर जॉश इंग्लिस (120 नाबाद) भारी पड़ गये और आस्ट्रेलिया ने चैंपियंस ट्राफी ग्रुप बी के हाई स्कोरिंग मुकाबले को 15 गेंद शेष रहते अपने पक्ष में कर लिया।गद्दाफी स्टेडियम पर इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुये आठ विकेट पर 351 रन बनाये जिसके जवाब में आस्ट्रेलिया ने विजय लक्ष्य 47.3 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया।

बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी आस्ट्रेलिया को दो झटके सस्ते में लग गये थे मगर एक छोर पर डटे मैथ्यू शॉर्ट (63) ने पहले मार्नस लाबुशेन (47) के साथ 95 रन की पार्टनरशिप कर टीम को मुश्किल के भंवर से निकाला जबकि बाद में जॉश इंग्लिस और एलेक्स कैरी (69) ने 147 रन जोड़ कर टीम को जीत के दहलीज तक लाने का साहस पैदा किया मगर जीत अभी दूर थी मगर नये बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल (32) ने अंग्रेजी आक्रमण को बौना साबित करते हुये इंग्लिस का भरपूर साथ दिया और दोनो ने जीत दिला करके ही सांस ली। इस विराट जीत के बाद आस्ट्रेलिया ने उन आलोचकों के भी मुंह बंद कर दिये जो आस्ट्रेलियाई टीम के कमजोर होने की बात कर रहे

थे। इससे पहले डकेट और जो रुट (68) ने 158 रन की साझीदारी की बदौलत इंग्लैड ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ आठ विकेट पर 351 रन का स्कोर खड़ा किया था। फिल साल्ट (10) और जेमी स्मिथ (15) के दो विकेट जल्दी गिरने से इंग्लैंड हल्के दवाब में आया था मगर एक छोर पर डटे डकेट के इरादे आज खतरनाक थे। उन्होने नये बल्लेबाज रुट के साथ कंगारु गेंदबाजों का कड़ा इम्तिहान लिया। दोनो खिलाड़ियों ने मैदान के चारों ओर रनों की बौछार करते हुये स्कोरबोर्ड को तेजी से चलाया। रुट एडम जम्पा की गेंद पर पगबाधा करार दिये गये। उधर दूसरे छोर पर डकेट ने पिटाई का क्रम जारी रखा। सलामी बल्लेबाज ने अपनी शतकीय पारी में 143 गेंद खेल कर 17 चौके और तीन छक्के लगाये। इसके साथ ही वह आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में अब तक का सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गये। इससे पहले यह रिकार्ड न्यूजीलैंड के नाथन एस्टल के नाम था। डकेट पारी के 48वें ओवर में मार्नस लाबुस्चगने की गेंद पर आउट हो गए। निचले क्रम में जोफा आर्चर 21 रन बना कर नाबाद वापस लौटे। आस्ट्रेलिया की ओर से बेन ड्वारश्विस तीन विकेट लेकर सबसे सफल रहे वहीं मार्नस लाबुशेन और एडम जैम्पा ने दो दो विकेट अपनी झोली में डाले।

मनोहर लाल ने किया बिजली क्षेत्र की कंपनियों से अभिनव समाधान बनाने का आग्रह

ग्रेटर नोएडा। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने उद्योग के हितधारकों से विकसित भारत की दिशा में देश की यात्रा को मजबूत करने के लिए अभिनव समाधान बनाने पर काम करने का आग्रह करते हुए कहा कि भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की स्थिति में है, जिसमें बिजली इस परिवर्तन को आगे बढ़ा रही है। उद्योग संगठन आईईईएमए द्वारा आयोजित 'इलेक्रामा-2025' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि 2030 तक भारत का 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा का महत्वाकांक्षी लक्ष्य विभिन्न अवसर प्रदान करता हैउन्होंने ऊर्जा सुरक्षा, ग्रिड आधुनिकीकरण और स्थिरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जो राष्ट्र के दीर्घकालिक दृष्टिकोण विकसित भारत 2047 के अनुरूप है।उन्होंने कहा कि भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की स्थिति में है, जिसमें बिजली इस परिवर्तन को आगे बढ़ा रही है। इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ाने, ग्रिड आधुनिकीकरण को आगे बढ़ाने और ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। दो सौ गीगावाट से अधिक अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने और 2030 तक 500 गीगावाट के लक्ष्य के साथ, भारत स्थायी ऊर्जा अपनाने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है।

गुवाहाटी में रिलायंस का नए कैम्पा और पेय पदार्थ बॉटलिंग प्लांट शुरू

गुवाहाटी। रोजमर्रा की जरूरतों के उत्पाद और पेय पदार्थ कंपनी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने असम के गुवाहाटी में नए बॉटलिंग प्लांट के उद्घाटन के साथ पूर्वोत्तर भारत में कैम्पा के पोर्टफोलियो की उपस्थिति को मजबूत किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि स्थानीय भागीदार जेरिको के सहयोग से विकसित इस सुविधा का उद्घाटन आज असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने किया। 6 लाख वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में फैला यह प्लांट इस क्षेत्र की सबसे बड़ी पेय पदार्थ निर्माण इकाइयों में से एक है। इसमें कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक्स के लिए 10 करोड़ लीटर से ज़्यादा और पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के लिए लगभग 18 करोड़ लीटर की शुरुआती उत्पादन क्षमता है। इस अवसर पर डॉ. सरमा ने कहा, ÷आम लोग कैंपा के उत्पादों को बहुत ही किफ़ायती कीमत पर खरीद सकते हैं। कैंपा कोला के साथ यह एक बड़ा फ़ायदा है। वे किफ़ायती कीमत पर उत्पाद दे रहे हैं, लेकिन वे गुणवत्ता से समझौता नहीं कर रहे हैं, जो अन्य वैश्विक मानकों के बराबर है। मेरा मानना है कि यह ब्रांड लगातार मज़बूत होता जाएगा और इसे और भी आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। मैं रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड और जेरिको को शुभकामनाएँ देता हूँ। यह यात्रा बहुत सफल हो और असम के लोगों के लिए बहुत सारे रोज़गार के अवसर पैदा करे। और यह यात्रा यह भी दर्शाए कि एक भारतीय ब्रांड एक वैश्विक ब्रांड के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकता है।

बजाज एलियांज लाइफ बीमा-एएसबीए सुविधा के साथ लाइव

पुणे। निजी जीवन बीमा कंपनियों में से एक बजाज एलियांज लाइफ बीमा-एप्लीकेशन सपोर्टेड बाय ब्लॉक्ड अमाउंट सुविधा (बीमा-एएसबीए) के साथ लाइव होने वाली पहली बीमा कंपनी बन गई है। कंपनी ने आज यहां कहा कि यह मील का पत्थर भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) की पहल के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य परिचालन को आसान बनाना, पॉलिसीधारकों की सुविधा बढ़ाना, अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करना और बीमा प्रीमियम भुगतान प्रक्रिया को सरल बनाना है। बीमा-एएसबीए प्रीमियम भुगतान को आसान और ग्राहक अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आईआरडीएआई की इस पहल के तहत, पॉलिसीधारक यूपीआई के वन-टाइम मैंडेट (ओटीएम) का विकल्प चुन सकते हैं और यूपीआई के माध्यम से अपने बैंक खाते में एक निर्दिष्ट राशि (2 लाख रुपए तक) को ब्लॉक करने के लिए अधिकृत कर सकते हैं। बीमा कंपनी द्वारा अंडरराइटिंग प्रक्रिया पूरी करने और प्रस्ताव को स्वीकार करने का निर्णय लेने के बाद ही राशि डेबिट की जाएगी। यदि आवेदन 14 दिनों की अवधि के भीतर संसाधित नहीं होता है या प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाता है, तो अवरुद्ध राशि स्वचालित रूप से ग्राहक को वापस जारी कर दी जाती है।

उप्र में धर्म स्थलों के विकास के लिए बजट में धनराशि का प्रावधान, धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के प्रमुख धर्म स्थलों के विकास के लिए बजट में धनराशि का प्रावधान किया है और इसके साथ ही धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बनुयादी सुविधाओं के विकास में बजट का प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में बजट पेश करते हुए पर्यटन के क्षेत्र में राज्य की उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और बुनियादी ढांचे तथा धार्मिक पर्यटन को मजबूत करने के लिए भविष्य की योजनाओं को रूपरेखा पेश की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश सरकार का नेतृत्व संभालने के बाद से ही धर्म स्थलों के विकास पर जोर दिया है। 2017 के बाद से ही अयोध्या में दीपोत्सव, वाराणसी में देव दीपावली तथा ब्रज के होलिकोत्सव को सरकार ने प्राथमिकता दी। बजट पेश होने के बाद मुख्यमंत्री योगी ने पत्रकारों से कहा कि श्री बांके बिहारी जी मंदिर, मथुरा-वृन्दावन गलियारे के निर्माण व भूमि क्रय हेतु 150 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं।

एसईसीएल के दीपका मेगा प्रोजेक्ट में नया साइलो और रैपिड लोडिंग सिस्टम चालू

एजेंसी

नई दिल्ली। कोल इंडिया की सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल), कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एसईसीएल) परियोजनाओं के माध्यम से अपनी खदानों से सुरक्षित और टिकाऊ कोयला निकासी बढ़ाने के प्रयासों में तेजी ला रही है। एक महत्वपूर्ण मील के पत्थर में एसईसीएल के दीपका मेगा प्रोजेक्ट ने शुक्रवार को अपने नवनिर्मित रैपिड लोडिंग सिस्टम और साइलो 3 और 4 से पहला कोयला रेक लोड करके सफलतापूर्वक परिचालन शुरू किया। यह पर्यावरण के अनुकूल और कुशल कोयला परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। केंद्रीय कोयला मंत्रालय के अनुसार नए चालू किए गए दीपका सीएचपी-साइलो एफएमसी प्रोजेक्ट की वार्षिक कोयला निकासी क्षमता 25 मिलियन टन है, जिससे मेगा प्रोजेक्ट की सम्प्रेषण दक्षता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। नए साइलो के चालू होने से पहले दीपका 15 एमटीपीए की क्षमता वाले मेरी-गो-राउंड (एमजीआर) सम्प्रेषण प्रणाली पर निर्भर था। साइलो 3 और 4 के चालू होने के साथ दीपका की कुल कोयला प्रेषण क्षमता अब बढ़कर 40 मिलियन टन प्रति वर्ष हो गई है, जो प्रभावी रूप से परिवहन बुनियादी ढांचे को उत्पादन स्तरों के साथ संरेखित करती है। कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में एसईसीएल ने पीएम गतिशक्ति योजना के तहत एफएमसी इंफ्रा के विकास को प्राथमिकता दी है। एसईसीएल ने 233 एमटीपीए की संचयी क्षमता के साथ 17 फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) परियोजनाएं शुरू की हैं। इनमें से, 151 एमटीपीए की कुल क्षमता वाली 9 परियोजनाएं पहले ही चालू हो चुकी हैं, जो कोयला परिवहन को आधुनिक बनाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती हैं। 82 एमटीपीए क्षमता वाली शेष 8 एफएमसी परियोजनाएं विकास के विभिन्न चरणों में हैं और उन्हें अगले 2-3 वर्षों में चालू करने का लक्ष्य है। एफएमसी को व्यापक रूप से एक कुशल और पर्यावरण के अनुकूल कोयला परिवहन मोड के रूप में मान्यता प्राप्त है। दीपका में एफएमसी बुनियादी ढांचे के कार्यान्वयन से कई लाभ मिलते हैं, मसलन दक्षता में सुधार और सटीक लोडिंग, रेक में कोयले की अंडरलोडिंग और ओवरलोडिंग दोनों को कम करना। तेज़ लोडिंग समय के कारण टर्नअराउंड समय कम हो गया है और रेक की उपलब्धता में सुधार हुआ है। कोयले की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, जिससे संदूषण और नुकसान कम हुआ है। सड़क परिवहन पर निर्भरता कम हुई है, जिससे डीजल खर्च में बचत हुई है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में जारी भारी गिरावट के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 3.08 प्रतिशत लुढ़ककर 70.25 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74.25 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

प्रधानमंत्री 24 फरवरी को पीएम-किसान की 19वीं किस्त जारी करेंग

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 24 फरवरी को बिहार के भागलपुर में पीएम-किसान की 19वीं किस्त जारी करेंगे। इसके तहत 9.8 करोड़ से अधिक किसानों को

9.8 करोड़ से अधिक किसानों को होगा लाभ

22,000 करोड़ से अधिक के प्रत्यक्ष हस्तांतरण का लाभ होगा। पीएम किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना, 24 फरवरी 2019 को शुरू की गई एक केंद्रीय क्षेत्र योजना, जिसके तहत 6,000 रुपये प्रति किसान परिवार को वार्षिक वित्तीय सहायता प्रदान करती है। कृषि मंत्रालय की तरफ से बताया गया कि पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों के खातों में एक क्लिक के साथ हस्तांतरित की जाएगी। पीएम-किसान योजना के सफल कार्यान्वयन के छह साल पूरे हो गए हैं, जो देशभर के किसानों की वित्तीय सहायता को मजबूत कर रहा है। इस संबंध में कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पशुपालन और डेयरी

विभाग (एएच एंड डी), भारत सरकार, रेल मंत्रालय, भारत सरकार और बिहार सरकार के समन्वय से बिहार के भागलपुर में किसान सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

पीएम-किसान की 18वीं किस्त जारी करते समय लगभग 9 करोड़ 60 लाख किसानों को किस्त जारी की गई। कृषि मंत्रालय सक्रिय रूप से छूटे हुए सभी पात्र किसानों को जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है और इन प्रयासों के माध्यम से 19वीं किस्त प्राप्त करने वाले किसानों की संख्या बढ़ गई है। 19वीं किस्त जारी होने से देशभर में 2.41 करोड़ महिला किसानों सहित 9.8 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित होंगे, उन्हें प्रत्यक्ष लाभ के माध्यम से 22,000 करोड़ रुपये से अधिक की प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्राप्त होगी।

एनएसओ इंडिया ने 'भारत में डेटासेट और रजिस्ट्री का संग्रह, 2024' जारी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने भारत में डेटासेट और रजिस्ट्री का संग्रह, 2024 का नवीनतम संस्करण प्रकाशित किया है। यह डेटा की पहुंच को मजबूत करने के उद्देश्य से एक प्रमुख पहल है। राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली के चल रहे आधुनिकीकरण के हिस्से के रूप में यह संग्रह सुनिश्चित करता है कि नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, छात्रों, विश्लेषकों, व्यवसायों और आम जनता के लिए सरकारी डेटा आसानी से सुलभ हो। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार यह व्यापक संसाधन भारत सरकार के 40 मंत्रालयों और विभागों से प्राप्त लगभग 270 डेटासेट और रजिस्ट्री के मेटाडेटा को समेकित करता है, जिसमें कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रम, ग्रामीण विकास, पर्यटन, सामाजिक न्याय, बैंकिंग और अन्य जैसे क्षेत्र शामिल हैं। वन-स्टॉप संदर्भ के रूप में कार्य करके यह संकलन उपयोगकर्ताओं को सरकारी डेटासेट की उपलब्धता, दायरे और पहुंच को आसानी से तलाशने में सक्षम बनाता है। इसमें मानकीकृत मेटाडेटा, डेटा संग्रह पद्धतियों, अद्यतनों की आवधिकता और मंत्रालयों में डेटा-साझाकरण नीतियों का विवरण शामिल है। इसके अतिरिक्त यह प्रत्येक डेटासेट के संग्रह और प्रसार को नियंत्रित करने वाले कानूनी और नियामक ढांचे की रूपरेखा तैयार करता है जबकि गहन विश्लेषण और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण का समर्थन करने के लिए विघटन के स्तर पर अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। उपयोगकर्ता संबंधित मंत्रालय या विभाग पोर्टल के लिंक के माध्यम से डेटा स्रोतों तक सीधी पहुंच से भी लाभ उठा सकते हैं, जिससे निर्बाध पहुंच सुनिश्चित होती है।विश्वसनीय और सुव्यवस्थित सरकारी डेटा की बढ़ती आवश्यकता को पहचानते हुए यह पहल राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली को आधुनिक बनाने और सुव्यवस्थित करने के लिए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के व्यापक प्रयासों के साथ संरेखित है।

Government of India
Ministry of Statistics and Programme Implementation
सत्यमेव जयते

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का प्रोसेस इक्विपमेंट बिजनेस करेगा 200 करोड़ का निवेश

एजेंसी

दहेज (गुजरात)। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के प्रोसेस इक्विपमेंट बिजनेस ने यहां अपनी अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधा का विस्तार करने के लिए 200 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा करते हुये अगले पांच वर्षों में कारोबार को दोगुना करने का लक्ष्य तय किया है। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के प्रोसेस इक्विपमेंट बिजनेस के कार्यकारी उपाध्यक्ष और बिजनेस प्रमुख हुसैन शरियार ने यहां बताया कि यह नया निवेश पहले किये गये 300 करोड़ के निवेश के बाद होने जा रहा है जो घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने और भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। इस विस्तार का उद्देश्य प्रोसेस इक्विपमेंट विनिर्माण के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करना है और यह सरकार की मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहलों के साथ संरेखित है। यह राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र के निजी कंपनियों के प्रवेश देने की बजट घोषणा के अनुरूप है।

उन्होंने कहा कि अभी कंपनी का कारोबार एक हजार करोड़ रुपये का है जिसको अगले पांच वर्ष में बढ़ाकर दो गुना करने का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कहा कि मुंबई के विक्रोली स्थित संयंत्र को धीरे धीरे बंद करने की प्रक्रिया शुरू की गयी है क्योंकि वहां लॉजिस्टिक की बहुत समस्या हो रही है। उन्होंने कहा कि दहेज सुविधा के तीसरे चरण विस्तार से वार्षिक विनिर्माण क्षमता लगभग 30,000 मीट्रिक टन तक बढ़ जाएगी, जिसमें विदेशी सामग्रियों के निर्माण के लिए नए धूल-मुक्त बाड़े का विकास, आंतरिक विनिर्माण के लिए समर्पित बे और विस्तारित विनिर्माण यार्ड का विकास सहित उत्पादन स्थान में वृद्धि होगी। इस विस्तार का उद्देश्य रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स जैसी पारंपरिक ऊर्जा परियोजनाओं के साथ-साथ हाइड्रोजन, परमाणु और भूतापीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों के लिए उच्च-स्तरीय और महत्वपूर्ण प्रक्रिया उपकरणों के निर्माण में क्षमता और क्षमता विकसित करना है। उन्होंने कहा कि विस्तारित सुविधा में एक अतिरिक्त विस्तारित फैब्रिकेशन यार्ड होगा जो बड़े और जटिल प्रक्रिया उपकरणों के निर्माण के लिए समर्पित होगा, जिसमें 16 मीटर व्यास और 140 मीटर लंबाई तक के उपकरण शामिल हैं, जिसमें प्रक्रिया मॉड्यूल के लिए बढ़ी हुई क्षमताएं हैं। रणनीतिक रूप से रखा गया 30 मीटर गुना 10 मीटर का उन्नत हीट ट्रीटमेंट फर्नेस संचालन के दौरान कार्बन उत्सर्जन में कमी सुनिश्चित करेगा। स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, इस सुविधा के पास जीरो वेस्ट टू लैंडफिल प्रमाणन है, जो पर्यावरण के लिए जिम्मेदार विनिर्माण प्रथाओं पर जोर देता है। इसके अतिरिक्त, 80 प्रतिशत से अधिक स्वचालन के साथ वर्तमान में, इसके उत्पादन का 70 प्रतिशत अमेरिका और मध्य पूर्व पर विशेष ध्यान देने के साथ छह महाद्वीपों के 40 से अधिक देशों को निर्यात किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह विस्तार भारत के राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन और शुद्ध-शून्य लक्ष्यों के साथ भी संरेखित है, जो स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी और औद्योगिक विनिर्माण में अग्रणी बनने की देश की महत्वाकांक्षा का समर्थन करता है।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव-2 नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रधान सचिव-2 नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के साथ समाप्त होगा। शक्तिकांत दास प्रिंसिपल सेक्रेटरी-1 पीके मिश्रा के साथ मिलकर काम करेंगे।

केंद्र सरकार में नियुक्ति समिति द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने शक्तिकांत दास, आईएएस (रिटायर्ड) (टीएन:80) की प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव-2 के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। गुजरात कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी पीके मिश्रा वर्तमान में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव के रूप में कार्यरत हैं।'' आधिकारिक आदेश के अनुसार तमिलनाडु कैडर के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दास का कार्यकाल प्रधानमंत्री के कार्यकाल तक या अगले आदेश तक होगा। आदेश में कहा गया, मंत्रिमंडल की

नियुक्ति समिति ने शक्तिकांत दास, आईएएस (सेवानिवृत्त) को प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव- 2 के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी दी है। उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी होगी। उल्लेखनीय है कि शक्तिकांत दास ने एक सिविल सेवक के रूप में मुख्य रूप से वित्त, कराधान, निवेश और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में काम किया।

एनएसओ ने डेटासेट, पंजिका संग्रह 2024 किया जारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के भारतीय राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने 2024 का नवीनतम डेटासेट और पंजिका संग्रह प्रकाशित किया है। यह सरकारी डेटा नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, छात्रों और जनता के लिए सुलभ होगा। मंत्रालय की जारी विज्ञप्ति के अनुसार, संग्रह 40 मंत्रालयों और विभागों से प्राप्त 270 डेटासेट तथा पंजीकाओं के मेटाडेटा को समेकित करता है, जिसमें कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रम, ग्रामीण विकास, पर्यटन, सामाजिक न्याय, बैंकिंग और अन्य क्षेत्र शामिल है। मंत्रालय के अनुसार यह डेटा की पहुँच बढ़ाने और सूचित निर्णय लेने की एक महत्वपूर्ण पहल है। इस संग्रह में मेटाडेटा, डेटा संग्रह पद्धतियां और

डेटा साझा करने की नीतियां दी गई हैं।इसके अलावा, यह डेटासेट संग्रह और प्रसार के कानूनी एवं नियामक ढांचे को निर्धारित करता है। यह गहन विश्लेषण और नीति निर्माण के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। उपयोगकर्ता मंत्रालय/विभाग पोर्टल के लिंक से डेटा स्रोतों तक सीधी पहुँच पा सकते हैं। यह पहल सरकारी डेटा को सुव्यवस्थित करने और राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली को आधुनिक बनाने के प्रयासों का हिस्सा है। महत्वपूर्ण जानकारी को एक स्थान पर एकत्रित करके, यह संकलन डेटा-संचालित शासन को आगे बढ़ाने, अनुसंधान को बढ़ावा देने और प्रमाण-आधारित नीति निर्माण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इसे एक संचालक दस्तावेज के रूप में डिजाइन किया गया है और इसे समय-समय पर नए डेटासेट और नीतियों के साथ अद्यतन किया जाता है ताकि हितधारकों को नवीनतम जानकारी मिल सके। सभी हितधारक इस संग्रह से अंतर्दृष्टि प्राप्त कर सकते हैं और राष्ट्रीय विकास में सरकारी डेटा के उपयोग में योगदान दे सकते हैं। यह डाटा संग्रह मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है।

सज्जन जिंदल 'बिजनेस लीडर ऑफ डिकेड' पुरस्कार से सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के अध्यक्ष सज्जन जिंदल को 15वें एआईएमए मैनेजिंग इंडिया अवार्ड्स में 'बिजनेस लीडर ऑफ डिकेड' सम्मान से सम्मानित किया गया है। श्री जिंदल को यह पुरस्कार आज यहां आयोजित एक समारोह में प्रदान किया गया। प्रशस्ति पत्र केपीएमजी इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री येजदी नागपुरेवाला ने पढ़ा। यह सम्मान जेएसडब्ल्यू ग्रुप को एक वैश्विक समूह में विस्तारित करने में उनके परिवर्तनकारी नेतृत्व के लिए दिया गया है। श्री जिंदल के नेतृत्व में, जेएसडब्ल्यू समूह ने उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है, जिससे उसका राजस्व दोगुना से भी अधिक होकर 24 अरब डॉलर हो गया है। उनकी रणनीतिक दृष्टि के कारण जेएसडब्ल्यू ने अपनी

वार्षिक इस्पात उत्पादन क्षमता को लगभग तीन गुना बढ़ाकर 3.9 करोड़ टन कर लिया है, साथ ही समूह को अक्षय ऊर्जा और सीमेंट निर्माण में एक प्रमुख शक्ति के रूप में स्थापित किया है।

सैमसंग गतिरोध: कंपनी का कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए तमिलनाडु सरकार से हस्तक्षेप का अनुरोध

चेन्नई। दक्षिण कोरिया की दिग्गज कंपनी सैमसंग के श्रीपेरंबदूर संयंत्र में कामगारों के एक वर्ग ने कंपनी के खिलाफ अपना विरोध तेज कर दिया। कंपनी ने कहा कि उसकी ''किसी भी अवैध गतिविधि के लिए शून्य-सहिष्णुता की नीति है।'' कंपनी ने तमिलनाडु सरकार के अधिकारियों से ''अपने कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, अनुशासन बनाए रखने और कारोबार की स्थिति को सुगम बनाने'' का आग्रह किया। कर्मचारियों का एक वर्ग पहले सीआईटीयू (सीटू) समर्थित सैमसंग इंडिया वर्कर्स यूनियन के तीन पदाधिकारियों के निलंबन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहा था और बृहस्पतिवार को उसने अपना आंदोलन तेज कर दिया। इसपर प्रतिक्रिया देते हुए कंपनी ने कहा, ''आज कर्मचारियों के एक खास वर्ग ने एक बार फिर अवैध रूप से परिचालन और औद्योगिक शांति को बाधित करने की कोशिश की।'' कंपनी ने कहा, ''सैमसंग में, हमारी प्राथमिकता सभी कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित और स्थिर कार्यस्थल बनाए रखना है। आज कर्मचारियों के एक खास वर्ग ने एक बार फिर अवैध रूप से परिचालन और औद्योगिक शांति को बाधित करने की कोशिश की।''

केंद्र ने कोचिंग सेंटरों पर कसी नकेल, छात्रों को 1.56 करोड़ रिफंड दिलाया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग (डीओसीए) ने शिक्षा क्षेत्र में 600 से अधिक उम्मीदवारों और छात्रों के लिए 1.56 करोड़ की राशि का रिफंड सफलतापूर्वक प्राप्त किया है। सिविल सेवा, इंजीनियरिंग कोर्स और अन्य कार्यक्रमों के लिए कोचिंग सेंटरों में नामांकित इन छात्रों को पहले कोचिंग संस्थानों द्वारा निर्धारित नियमों और शर्तों का पालन करने के बावजूद उचित रिफंड से वंचित किया गया था।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार यह राहत छात्रों द्वारा राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) के माध्यम से दर्ज की गई शिकायतों के माध्यम से संभव हुई, जिसने विवाद समाधान के लिए एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया की सुविधा प्रदान की। विभाग द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई ने छात्रों को अधूरी सेवाओं, देरी से कक्षाओं या रद्द किए गए पाठ्यक्रमों के लिए मुआवजा प्राप्त करने में मदद की है।अपने निर्णायक निर्देश में उपभोक्ता मामलों के विभाग ने सभी कोचिंग सेंटरों को छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाने का निर्देश दिया है, जिसमें छात्रों के वित्तीय हितों की रक्षा के लिए स्पष्ट, पारदर्शी रिफंड नीतियों को अनिवार्य किया गया है। विभाग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि वैध रिफंड दावों को अस्वीकार करने की अन्यायपूर्ण प्रथा को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, शैक्षिक संस्थानों से उपभोक्ता अधिकारों को बनाए रखने

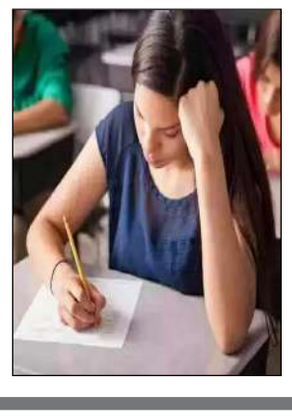

का आग्रह किया है।उपभोक्ता मामलों के विभाग ने अपने सक्रिय प्रयासों के माध्यम से शिकायत निवारण तंत्र को मजबूत करने और छात्रों को उनके उपभोक्ता अधिकारों के बारे में शिक्षित करने, अनुचित व्यवहार के मामले में कार्रवाई करने के लिए उन्हें सशक्त बनाने के लिए भी प्रतिबद्धता जताई है। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन छात्रों और न्याय की तलाश में उम्मीदवारों को सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण संसाधन साबित हुई है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यक्ति बिना किसी लंबी कानूनी लड़ाई के मुद्दों को हल करने में सक्षम थे, जिससे समय और ऊर्जा की बचत हुई और साथ ही निष्पक्ष परिणाम सुनिश्चित हुए। मुकदमेबाजी से पहले की अवस्था में शिकायतों का समाधान करके एनसीएच ने विवादों को बढ़ने से रोकने में मदद की है और औपचारिक कानूनी कार्यवाही के लिए एक प्रभावी और सुलभ विकल्प प्रदान किया है। यह सेवा विशेष रूप से छात्रों के लिए फायदेमंद साबित हुई है, जिनके पास अब अपने हितों की रक्षा करने के लिए एक भरोसेमंद रास्ता है। इस पहल के हिस्से के रूप में डीओसीए छात्र अधिकारों की वकालत करना जारी रखता है और समान मुद्दों का सामना करने वाले सभी छात्रों को त्वरित समाधान के लिए राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। विभाग कोचिंग सेंटरों से पारदर्शिता, जवाबदेही और छात्र-अनुकूल दृष्टिकोण सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करने का भी आग्रह करता है।

इजरायल ने फिलिस्तीनी कैदियों की अदला-बदली स्थगित की

एजेंसी

यरूशलेम। इजरायल ने गाजा पट्टी से रिहा किए गए बंधकों के साथ 'अपमानजनक व्यवहार' के बीच 22 फरवरी को पहले से निर्धारित फिलिस्तीनी कैदियों की अदला-बदली को स्थगित कर दिया। सूत्रों ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय के एक बयान का हवाला देते हुए यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि इजरायल का कहना है कि 600 से अधिक फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई को तब तक के लिए स्थगित किया जा रहा है, जब तक कि अगले बंधकों की रिहाई सुनिश्चित नहीं हो जाती है और गाजा पट्टी में इजरायली कैदियों को स्थानांतरित करते समय उनके साथ अपमानजनक व्यवहारों के बिना। हमास ने गाजा युद्धविराम के पहले चरण के तहत सातवें आदान-प्रदान में छह इजरायली बंधकों को रिहा किया। हमास के कैदी मामलों के कार्यालय ने पहले कहा था कि इजरायल को बदले में 600 से अधिक फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करना चाहिए लेकिन उन्हें अभी तक रिहा नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि 19 जनवरी से गाजा पट्टी में युद्ध विराम लागू है जो इजरायल और फिलिस्तीनी आंदोलन हमास के बीच हुए समझौते का हिस्सा है। जिसके तहत फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में इजरायली बंधकों को रिहा किया जाएगा। इस समझौते के मध्यस्थ कतर, मिस्र और अमेरिका हैं जिन्होंने काहिरा में एक समन्वय केंद्र स्थापित किया है। यह संघर्ष में दूसरा युद्ध विराम है।

पनामा में नाव डूबने से एक बच्चे की मौत

पनामा सिटी । पनामा के उत्तरपूर्वी तट पर रात 19 यात्रियों को ले जा रही एक नाव डूब गई, जिसमें आठ वर्षीय वेनेजुएला के एक बच्चे की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय सीमा सेवा सेनाफ्रंट ने बताया कि नाव पर कुल 21 लोग सवार थे। इनमें कोलंबिया और वेनेजुएला के 19 प्रवासी और दो पनामा के चालक दल के सदस्य शामिल थे। उन्होंने बताया कि कि नाव पर सवार शेष 20 लोगों को बचा लिया गया और एक बच्चे की मौत हो गयी। घायलों का इलाज किया गया और मानवीय सहायता दी गई। सेनाफ्रंट के अनुसार समुद्र में उथल-पुथल और खराब मौसम के कारण जहाज पनामा के स्वदेशी प्रांत गुना याला क्षेत्र में डूब गया।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री रूस प्रतिबंधों के सबसे बड़े पैकेज की घोषणा करेंगे

वाशिंगटन। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा कि सोमवार को वह यूक्रेन में संघर्ष की शुरुआत के बाद से रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के सबसे बड़े पैकेज की घोषणा करेंगे। एजेंस फ्रांस-प्रेस द्वारा उद्धृत एक बयान में श्री लैमी ने कहा, 'कल मैं युद्ध के शुरुआती दिनों के बाद से रूस के खिलाफ प्रतिबंधों के सबसे बड़े पैकेज की घोषणा करने की योजना बना रहा हूँ।' इससे पहले टेलीग्राफ अखबार ने ब्रिटिश सरकार के एक सूत्र का हवाला देते हुए बताया कि ब्रिटेन 24 फरवरी को कीव को सहायता के एक नए पैकेज और रूस के खिलाफ प्रतिबंधों की घोषणा करेगा।

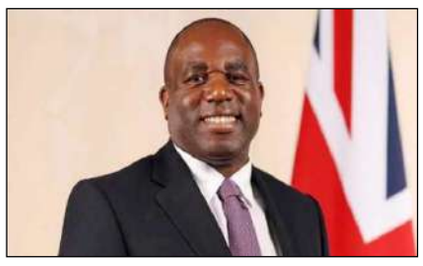

अमेरिका ने मेक्सिको से चीन से आने वाले सामान पर शुल्क लगाने को कहा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन ने मेक्सिको से चीन से आने वाले सामानों पर आयात शुल्क लगाने को कहा है ताकि मेक्सिको से आने वाले सामानों पर अमेरिकी शुल्क लागू होने से बचा जा सके। ब्लूमबर्ग ने अज्ञात स्रोतों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। सूत्रों ने एजेंसी को बताया कि अमेरिका और मेक्सिको के प्रतिनिधिमंडलों ने वाशिंगटन में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक भी शामिल थे। उन्होंने चीन पर मेक्सिको के शुल्क के बारे में बात की। मैक्सिकन प्रतिनिधिमंडल का प्रतिनिधित्व अर्थव्यवस्था मंत्री मार्सेलो एबरार्ड ने किया।सूत्रों ने बताया कि बैठक में मेक्सिको ने चीन के बारे में कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई। बैठक व्यापार और शुल्क मुद्दों का अध्ययन जारी रखने के लिए दोनों देशों के एक कार्य समूह बनाने के समझौते के साथ समाप्त हुई। श्री ट्रम्प ने पहले कनाडा, मेक्सिको और चीन से आने वाले सामानों पर 10 प्रतिशत से 25 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने वाले कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए थे।

जर्मनी में आर्थिक संकट, प्रवास और दक्षिणपंथियों की बढ़ती ताकत के बीच मतदान

एजेंसी

वाशिंगटन। जर्मनी में आम आम चुनाव के लिए मतदान हो रहे हैं, जहां मतदाता एक नई सरकार चुनेंगे। वहीं यह चुनाव आर्थिक मंदी, प्रवासन (माइग्रेशन) को रोकने के दबाव और यूरोप-अमेरिका संबंधों को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच हो रहा है। इस चुनाव में दक्षिणपंथी विपक्षी दल की जीत की संभावना जताई जा रही है, जबकि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार एक अतिवादी दक्षिणपंथी दल को भी ऐतिहासिक बढ़त मिलने की उम्मीद है। जर्मनी में चुनाव क्यों अहम है?

जर्मनी यूरोपियन यूनियन का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है और नाटो का प्रमुख सदस्य भी है। यह यूक्रेन को सबसे ज्यादा हथियार देने वाले देशों में अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर आता है। आम चुनाव

के नतीजे जर्मनी के अलावा पूरे यूरोप पर असर डाल सकते हैं, खासकर जब अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की अगली सरकार के आने की संभावनाओं को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। ट्रंप प्रशासन के संभावित नीतिगत बदलाव यूरोप की सुरक्षा और व्यापार नीतियों को प्रभावित कर सकते हैं। जर्मनी में करीब 5.9 करोड़ मतदाता जर्मनी की 630 सदस्यीय संसद के लिए प्रतिनिधियों का चुनाव करेंगे। यहां की चुनावी प्रक्रिया आमतौर पर किसी भी एक पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं देती, इसलिए चुनाव के बाद दो या अधिक पार्टियों को मिलकर सरकार बनानी होगी। यह गठबंधन बनाने की प्रक्रिया कई हफ्तों या महीनों तक खिंच सकती है। यह चुनाव तय समय से 7 महीने पहले हो रहा है, क्योंकि मौजूदा चांसलर ओलाफ शोल्ज की गठबंधन सरकार नवंबर में गिर गई थी। उनके नेतृत्व वाली तीन दलों की सरकार आपसी मतभेदों के कारण कमजोर हो गई थी।

जनजातीय मामलों के चीनी मंत्री चार दिनों के नेपाल भ्रमण पर काठमांडू पहुंचे

एजेंसी

काठमांडू। चीन के जनजातीय मामलों के मंत्री पान यूए चार दिनों के नेपाल भ्रमण पर रविवार को काठमांडू पहुंचे हैं। नेपाल और चीन के बीच बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव समझौते के कार्यान्वयन दस्तावेज पर हस्ताक्षर होने बाद चीन की तरफ से नेपाल में यह पहला मंत्री स्तरीय दौरा है।

आदिवासी जनजाति आयोग के अध्यक्ष के निमंत्रण पर चीनी मंत्री पान का यह नेपाल दौरा हो रहा है। आयोग के अध्यक्ष राम बहादुर थापामगर ने बताया कि जनजातीय मामलों के मंत्री पान चार दिनों तक नेपाल में रहेंगे और यहां आयोग के कुछ कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। थापामगर ने कहा कि दिसंबर, 2024 में उनके चीन भ्रमण के दौरान उन्होंने जनजातीय मामलों के मंत्री को नेपाल आने का निमंत्रण दिया था। कोलंबो यात्रा पूरी करके चीनी मंत्री के आज सुबह काठमांडू पहुंचने पर आदिवासी जनजाति आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों उनका स्वागत किया। अपने काठमांडू भ्रमण के दौरान चीनी

मंत्री का नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल, उपराष्ट्रपति राम सहाय यादव, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली, सामाजिक कल्याण मंत्री नवलकिशोर शाह से मुलाकात करने का कार्यक्रम है।

इटली की पीएम मेलोनी का तंज- ट्रम्प की जीत से लेफ्ट बुरी तरह हताश और परेशान

एजेंसी

वॉशिंगटन। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने लेफ्टिस्ट लीडर्स पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए उनकी कड़ी आलोचना की है। मेलोनी ने कहा कि जब 90 के दशक में बिल क्लिंटन और टोनी ब्लेयर ने ग्लोबल लेफ्टिस्ट लिबरल नेटवर्क बनाया तो उन्हें स्टेट्समैन कहा गया लेकिन जब ट्रम्प, मेलोनी, माइली (अर्जेंटीना के राष्ट्रपति) या मोदी बात करते हैं तो उन्हें लोकतंत्र के लिए खतरा बताया जाता है।

वॉशिंगटन के कंजर्वेटिव पॉलिटिकल एक्शन कॉन्फ्रेंस (सीपीएसी) में एक वीडियो लिंक के माध्यम से जुड़ी इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने कहा कि ट्रम्प की जीत से लेफ्ट बुरी तरह हताश और परेशान है। ऐसा इसलिए नहीं है कि कंजर्वेटिव्स जीत रहे हैं, बल्कि कंजर्वेटिव्स अब वैश्विक स्तर पर एक साथ आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज जब ट्रम्प, मेलोनी, माइली या मोदी बात करते हैं तो इसे लोकतंत्र के लिए खतरा बताया जाता है। उन्होंने

इसे दोहरा मानदंड बताते हुए कहा कि उन्हें अब इसकी आदत पड़ चुकी है और जनता भी इस झूठ पर यकीन नहीं करती। जनता हमें वोट कर रही है। उन्होंने कहा कि हम शासन नहीं, बल्कि जनता की सेवा कर रहे हैं।

मेलोनी ने कहा कि हमारी सरकार इटली को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर स्थान दिलाने के लिए लगातार काम कर रही है। हम दुनिया में अपनी भूमिका को एक बार फिर वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने के लिए इटली को बेहतर बना रहे हैं।

उड़ीसा घटना के बाद अब तक केआईआईटी के 300 से अधिक छात्र नेपाल लौटे

एजेंसी

काठमांडू। उड़ीसा के भुवनेश्वर में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय (केआईआईटी) में एक नेपाली छात्रा की आत्महत्या के बाद अब तक वहां अध्ययनरत 300 से अधिक छात्र नेपाल लौट चुके हैं। इन छात्र-छात्राओं का विश्वविद्यालय प्रशासन पर नेपाली छात्रों के साथ दुर्व्यवहार करने और उन्हें हॉस्टल से निलंबित किए जाने का आरोप हैं। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रामचंद्र तिवारी ने रविवार को बताया कि एक हफ्ते के भीतर पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और बिहार की सीमा से 301 छात्र-छात्राओं के नेपाल वापस आने की खबर है। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल की सीमा काकड़भिट्टा की सीमा से 20, उत्तर प्रदेश की भैरहवा सुनौली सीमा से 36, बिहार के रक्सौल बीरगंज सीमा से 162 तथा बिहार के ही जोगबनी विराटनगर सीमा से 83 छात्रों की वापसी हुई है। वापस आने

वाले छात्रों ने स्वीकार किया है कि विश्वविद्यालय प्रशासन और भुवनेश्वर पुलिस की तरफ से उनके पास लगातार फोन और मैसेज आ रहे हैं कि वो वापस आकर अपना हॉस्टल में आकर अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं। वापस होने वाले छात्रों ने यह भी बताया कि भुवनेश्वर पुलिस ने उनकी पूरी सुरक्षा की जिम्मेवारी भी ली है। उड़ीसा से काठमांडू लौट कर आई केआईआईटी में कम्प्यूटर इंजीनियरिंग की चौथे सेमेस्टर की छात्रा सौम्या झा ने बताया कि नेपाली छात्रा की मौत के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से नेपाली छात्रों के साथ जिस तरह की मारपीट, गाली गलौज और दुर्व्यवहार किया गया, उसके कारण कई छात्र मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं और दोबारा वापस नहीं जाना चाहते हैं।

एचआरसीपी ने पाकिस्तान सरकार से श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा मजबूत करने का आग्रह किया

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने सरकार से संविधान के अनुच्छेद 38 के तहत कमजोर और कम वेतनभोगी श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने की अपील की है। इस पहल का उद्देश्य श्रमिकों को बुढ़ापे, बेरोजगारी, बीमारी, चोट, प्रसव और मातृत्व से जुड़ी आर्थिक असुरक्षा से बचाना है। एचआरसीपी द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, एक कार्यक्रम में पाकिस्तान वर्कर्स यूनाइटेड फेडरेशन के चौधरी शौकत ने नियोक्ताओं द्वारा कर्मचारियों को आधिकारिक नियुक्ति पत्र देने और उन्हें ईओबीआई (इम्प्लॉई ओल्ड-एज बेनिफिट्स इंस्टिट्यूशन) के तहत पंजीकृत कराने की आवश्यकता पर जोर दिया।

श्रमिकों के अधिकारों पर चिंताएं: खैबर पख्तूनख्वा कर्मचारी

सामाजिक सुरक्षा संस्थान के उपाध्यक्ष खुर्शीद आलम ने न्यूनतम वेतन लागू करने में आ रही बाधाओं पर चिंता व्यक्त की।

-पंजाब कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा संस्थान के निदेशक मलिक फारुख मुमताज ने सुझाव दिया कि ईओबीआई और अन्य सामाजिक सुरक्षा निकायों को श्रमिकों की परिभाषा को समान रूप से लागू करना चाहिए, चाहे उनका वेतन कितना भी हो।

सुधारों की आवश्यकता पर बल:

आईएलओ (अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन) के शासी निकाय के सदस्य जहूर अवान ने बताया कि वर्तमान प्रणाली के तहत केवल पांच या अधिक कर्मचारियों वाले संगठन ही सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए पात्र हैं, जिससे छोटे व्यवसाय इससे बाहर रह जाते हैं। पीआईएलईआर के प्रतिनिधि मकसूद अहमद ने श्रमिकों के अधिकारों को सुरक्षित करने के लिए त्रिपक्षीय सम्मेलन आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

एचआरसीपी की सिफारिशें: नआईआरसी के सदस्य मिस्बाह उल्लाह खान ने वर्षों की सेवा के बावजूद स्थायी दर्जा न मिलने वाले श्रमिकों की कठिनाइयों को उजागर किया। एचआरसीपी परिषद के सदस्य फरहतुल्लाह बाबर ने कहा कि अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों की उपेक्षा सरकार की बड़ी चूक है और अनुच्छेद 38 को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।

गोलमेज सम्मेलन का समापन:

एचआरसीपी की उपाध्यक्ष नसरीन अजहर ने निष्कर्ष में कहा कि पूंजीवादी उत्पादन प्रणाली ने श्रमिकों के शोषण को और गहरा कर दिया है, जिससे श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए मजबूत सामाजिक सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है।

विजय माल्या ने गुणवत्ता के कारण ब्रिटेन में दिवालियापन आदेश रद्द करने की मांग की

एजेंसी

लंडन। कारोबारी विजय माल्या ने ब्रिटेन की अदालत में अपने दिवालियापन आदेश को रद्द कराने के लिए नई अपील दायर की है। उनका तर्क है कि भारतीय बैंकों ने अवास्तविक दावे पेश किए हैं, खासकर जब भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में ऋण वसूली को लेकर हाल ही में बयान दिया था। माल्या के वकील लेह क्रेस्टोहल ने बताया कि संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, बैंकों को पहले ही माल्या से संबंधित बकाया राशि से अधिक धन वापस मिल चुका है। इसी आधार पर उन्होंने दिवालियापन आदेश रद्द करने के लिए आवेदन किया है। यह मामला लंदन उच्च न्यायालय में चल रहा है, जहां न्यायाधीश एंथनी मान ने सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के नेतृत्व में बैंकों का एक समूह 69 वर्षीय माल्या से उनकी अब बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस के करीब 1.05 बिलियन जीबीपी ऋण की वसूली की मांग कर रहा है। माल्या का कहना है कि नए साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए अदालत को दिवालियापन आदेश पर पुनर्विचार करना चाहिए। उनके वकीलों का कहना है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक स्वयं भी वित्त मंत्री के संसद में दिए गए बयान को स्वीकार करेंगे। गौरतलब है कि विजय माल्या भारत में वित्तीय अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों का सामना कर रहे हैं और भारतीय एजेंसियां उन्हें प्रत्यर्पित कराने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी इस मामले में अपनी राहत की मांग को लेकर टिप्पणी की थी।

हमास ने गाजा में छह बंधक रिहा किए, समझौते के अगले चरण के लिए रखी शर्त

एजेंसी

गाजा पट्टी। आतंकवादी समूह हमास और इजराइल के बीच कतर में पिछले माह हुए संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई समझौते ने आज कई परिवारों के चेहरों में खुशी लौटा दी। हमास के नकाबपोश सशस्त्र लड़ाकों ने आज सुबह (स्थानीय समयानुसार) मध्य गाजा के नुसीरात में ओमर शेम टोव (22), एलिया कोहेन (27) और ओमर वेनकर्ट (23) को रेडक्रॉस के अधिकारियों को सौंप दिया। इसके अलावा हमास की कैद से आजाद हुए टाल शोहम (40) और एवेरा मेंगिस्टु 38) इजराइल पहुंच गए। गाजा सिटी में रिहा होने वाला छठा बंधक हिशाम अल-सईद (37) है। हमास ने समझौते के अगले चरण में बाकी बंधकों की रिहाई के लिए शर्त रखी है। द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, एवेरा मेंगिस्टु और उनके परिवार के कुछ सदस्यों को हवाई

मार्ग से गाजा सीमा के पास एक इजराइली सैन्य अड्डे पर पहुंचाया गया। वहां से सभी को इजराइली वायु सेना के हेलीकॉप्टर से मध्य इजराइल के एक अस्पताल ले जाया गया। मेंगिस्टु को जांच के बाद घर भेजा जाएगा। शोहम और मेंगिस्टु को सुबह दक्षिणी गाजा के शहर राफाह में रिहा किया गया। इन दोनों को सात अक्टूबर, 2023 को किबुत्ज बेरी से अगवा किया गया था। इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) के अनुसार, रेडक्रॉस ने दोनों को उन्हें सौंप दिया। इसके अलावा चार बंधकों को नुसीरात में सौंपा गया। हमास ने शुक्रवार को कहा था कि उसे उम्मीद है कि इजराइल बदले में 602 फिलिस्तीनी कैदियों और बंदियों को रिहा करेगा। उनमें से 50 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी और अन्य 60 लंबी सजा काट रहे हैं। 445 को सात अक्टूबर 2023 को गाजा में हिरासत में लिया गया था। सीएनएन की खबर के अनुसार, शोहम और मेंगिस्टु को सशस्त्र नकाबपोश आतंकवादियों ने मंच पर परेड और शोहम को भीड़ को संबोधित करने के लिए मजबूर किया। साथ ही एक अन्य बंधक शिरी बिबास के अवशेष शुक्रवार रात तेल अवीव पहुंचे। हमास ने आज संकेत दिया कि समझौते के अगले चरण में वह गाजा से इजराइली सैनिकों की वापसी के बदले में शेष सभी इजराइली बंधकों (जीवित और मृत) को सौंपने के लिए तैयार है।

इजराइल में अमेरिकी दूतावास ने ताजा अलर्ट में कर्मचारियों से सार्वजनिक परिवहन से बचने को कहा

एजेंसी

यरूशलम। इजराइल में अमेरिकी दूतावास ने एक सुरक्षा अलर्ट जारी कर अपने कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों से दो सप्ताह तक देशभर में सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने से बचने का आग्रह किया है।

अमेरिकी मिशन ने एक बयान में कहा कि सार्वजनिक बसों में 20 फरवरी को हुए विस्फोटों के बाद और अधिक सावधानी बरतते हुए अमेरिकी दूतावास अस्थायी रूप से अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को 14 दिनों के लिए इजराइल में सार्वजनिक बसों और लाइट रेल का उपयोग करने से रोका है। बयान में आगे कहा गया कि अमेरिकी दूतावास अमेरिकी नागरिकों को सावधानी बरतने और व्यक्तिगत सुरक्षा जागरुकता बढ़ाने की निरंतर आवश्यकता की याद दिलाता है क्योंकि हमले अक्सर बिना किसी चेतावनी के होते हैं। सुरक्षा वातावरण जटिल है और जल्दी से

बदल सकता है।ऐसे में चेतावनी अधिसूचना पर जोर दिया गया है।

अमेरिकी मिशन ने अपने नागरिकों से इज़राइल में अपनी गतिविधियों की योजना बनाते समय अलर्ट को ध्यान में रखने को कहा है। दूतावास सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करना जारी रखेगा और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त जानकारी प्रदान करेगा। बतादें कि गुरुवार को तेल अवीव के दक्षिण में स्थित बैट याम और होलोन शहरों में खड़ी बसों में तीन विस्फोट हुए। हालांकि इन घटनाओं में कोई हताहत नहीं हुआ लेकिन स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों ने इसे एक संगठित रणनीतिक हमला करार दिया है। जांच के दौरान कम से कम पांच विस्फोटक उपकरण बरामद किए गए, जिनमें टाइमर सेट किए गए थे।

पेरू में मॉल की छत ढहने से छह लोगों की मौत

लीमा। उत्तर-पश्चिमी पेरू में एक शॉपिंग मॉल के फूड कोर्ट की छत ढहने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और 78 अन्य घायल हो गए है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना ट्रूजिलो के व्यस्त शॉपिंग सेंटर रियल प्लाजा मॉल में हुई।

सरकारी समाचार एजेंसी एंडिना के अनुसार घायलों में से 30 को छुट्टी दे दी गई है जबकि 48 अभी भी अस्पताल में हैं जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। आपातकालीन दल ने छत ढहने के कुछ ही मिनटों बाद कार्रवाई की और जीवित बचे लोगों को बचाने के लिए रात भर काम किया। अधिकारियों ने संरचना को भारी-भरकम बताया जो सीधे फूड कोर्ट के बच्चों के क्षेत्र पर गिरी।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने उच्च मांग के कारण रक्तदान करने का आग्रह किया है। पेरू की राष्ट्रपति दीना बोलुआर्टे ने गहन जांच और जिम्मेदार लोगों के लिए कठोर दंड का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'हम आर्थिक हितों को मानव जीवन पर हावी नहीं होने दे सकते।' ट्रूजिलो प्रांतीय अभियोक्ता कार्यालय ने आपराधिक जांच शुरू कर दी है जबकि अधिकारियों का कहना है कि ढही हुई संरचना का रखरखाव ठीक से नहीं किया गया होगा। ला लिबर्टाड क्षेत्रीय सरकार ने दो दिन का शोक घोषित किया है।

हमास ने बंधक शिरी बिबास का शव इजरायल को सौंपा

एजेंसी

यरूशलम। फिलीस्तीनी विद्रोही संगठन हमास ने कहा है कि रात गाजा में अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति (आईसीआरसी) के माध्यम से इजरायल को सौंपे गए उसके बंधक शिरी बिबास के शव की फोरेंसिक विश्लेषण से पुष्टि हुई है।

इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी न्यूज और अन्य प्रमुख मीडिया आउटलेट्स ने शनिवार को बताया कि इजरायल रक्षा बलों को सौंपे जाने के बाद, शव को तेल अवीव स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उसकी पहचान की गई। बिबास के शवों को इजरायल को लौटाया जाना था, साथ ही, 83 वर्षीय ओडेड लिफशिट्ज़ और उसके दो बच्चों के शवों को युद्धविराम-बंधक समझौते के तहत वापस किया जाना था। हालांकि, फोरेंसिक विश्लेषण से पता चला कि लौटाए गए अवशेष उसके

> बिबास के शवों को इजरायल को लौटाया जाना था, साथ ही, 83 वर्षीय ओडेड लिफशिट्ज़ और उसके दो बच्चों के शवों को युद्धविराम-बंधक समझौते के तहत वापस किया जाना था।

नहीं थे। बाद में हुए घटनाक्रम में, हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इजरायली हवाई हमलों के कारण अवशेषों की गलत पहचान हुई, जिसके कारण अवशेषों की गलत पहचान हो गई। उन्होंने कहा, यह एक अनजाने में हुई गलती थी। इससे पहले, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल बिबास के शव को सौंपने में विफल रहने के लिए हमास से बदला लेगा। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमास समझौते के इस क्रूर और बुरे उल्लंघन की पूरी कीमत चुकाए। गौरतलब है कि चार मृत इजरायली बंधक सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले में अपहृत हुए थे, जो लगभग 250 बंधकों में से थे। संघर्ष विराम समझौते के तहत इजरायल से छह जीवित बंधकों की रिहाई की उम्मीद है। गाजा में शेष बंधकों की रिहाई संघर्ष विराम के दूसरे चरण के दौरान होने की उम्मीद है।

स्थानीय समाचार

जावेद डार ने स्कॉस्ट-के में 3 दिवसीय एग्रीटेक मेला गोंगुल-2025 का उद्घाटन किया

श्रीनगर। कृषि उत्पादन और ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री जावेद अहमद डार ने शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, शालीमार परिसर में कृषि क्षेत्र में अत्याधुनिक कृषि नवाचारों, टिकाऊ खेती प्रथाओं और उद्यमशीलता के अवसरों को प्रदर्शित करने वाले तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रम गोंगुल 2025-10वें स्कॉस्ट-के एग्रीटेक मेले का उद्घाटन किया।

इस वर्ष का मेला विशेष है क्योंकि इसमें माध्यमिक और टिकाऊ कृषि पर जोर दिया गया है, जो समग्र कृषि विकास कार्यक्रम के उद्देश्यों को दर्शाता है। मूल्य संवर्धन, जलवायु लचीलापन और कृषि-उद्यमिता पर अधिक ध्यान देने के साथ, यह कार्यक्रम नीति निर्माताओं, उद्योग के नेताओं और किसानों को जम्मू-कश्मीर में कृषि के भविष्य को आकार देने के लिए एक साथ लाता है।

मेले में 400 से अधिक स्टॉल हैं, जिनमें नवीनतम कृषि मशीनरी, सटीक कृषि, बीज और रोपण सामग्री की बिक्री, कृषि पशु और पक्षी प्रदर्शित किए गए हैं। मेले में पहली बार पालतू पशु शो का आयोजन किया गया, जिसमें पालतू कुत्तों और बिल्लियों ने अपने प्रशिक्षण कौशल का प्रदर्शन किया।

मुख्य अतिथि के रूप में, मंत्री ने एक भव्य समारोह में गोंगुल-2025 का उद्घाटन किया, जिसमें राजसी घोड़े भी शामिल थे। उन्होंने एग्रीटेक मेले के लिए 'गोंगुल' नाम चुनने के लिए स्कॉस्ट-के की सराहना की, जो अगली पीढ़ी को समृद्ध कश्मीरी संस्कृति से जोड़ता है। उन्होंने कश्मीर में गोंगुल (बुवाई की शुरुआत) से जुड़ी बचपन की गतिविधियों और घाटी में तकनीक से प्रेरित खेती के विकास के बारे में बताया। उन्होंने कश्मीरी संस्कृति को संरक्षित करने के बारे में आगाह किया, जो अपने व्यंजनों, साहित्य, वास्तुकला और समृद्ध परंपराओं के लिए विश्व स्तर पर जानी जाती है। एचएडीपी की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह पहल जम्मू-कश्मीर के लोगों की किस्मत बदलने वाली है।

मंत्री ने क्षेत्र के कृषि परिदृश्य के परिवर्तन का नेतृत्व करने वाले स्कॉस्ट-के को जम्मू-कश्मीर सरकार का पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। उन्होंने नकली कृषि रसायनों के व्यापार की जांच के लिए सख्त कानून प्रवर्तन भी सुनिश्चित किया।

स्कॉस्ट-के के उपकुलपति प्रोफेसर नजीर अहमद गनई ने कहा कि गोंगुल-2025 जम्मू-कश्मीर के समग्र कृषि विकास कार्यक्रम की उपलब्धियों और आकांक्षाओं को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि स्कॉस्ट-के ने भविष्य की नवाचार आधारित खेती के माध्यम से जम्मू-कश्मीर को विकसित भारत के लिए एक मॉडल जैव अर्थव्यवस्था के रूप में देखा है। प्रोफेसर गनई ने विश्वविद्यालय की पहलों को उदार समर्थन देने के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार को धन्यवाद दिया।

क्रीरी विधानसभा के सदस्य इरफ़ान हाफ़िज़ लोन ने जम्मू-कश्मीर के किसानों को सशक्त बनाने में स्कॉस्ट-के की सराहना करते हुए तेजी से घटती कृषि भूमि को संरक्षित करने और स्थानीय उपज की निर्यात क्षमता को बढ़ावा देने के लिए नीति निर्माण और कानून प्रवर्तन की इच्छा जताई।

सोनावाड़ी विधायक हिलाल अकबर लोन ने प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए मौजूदा कानूनों के कार्यान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने किसानों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए वैज्ञानिकों की भूमिका की सराहना की।

बेंगलुरु स्थित सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन संस्थान के अध्यक्ष अशोक दलवई ने कहा कि विजन 2047 के तहत देश के निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने में जम्मू-कश्मीर की भूमिका अहम है। उन्होंने कहा कि एचएडीपी के तहत जम्मू-कश्मीर की कृषि-परिवर्तन यात्रा के बारे में देश के बाकी हिस्सों को जागरूक करना महत्वपूर्ण है।

इस वर्ष का संस्करण कई प्रमुख उप-विषयों के इर्द-गिर्द संरचित है, जिनमें से प्रत्येक आधुनिक और टिकाऊ कृषि के विभिन्न पहलुओं में अद्वितीय अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। ब्रांड बिज फेस्ट बहुराष्ट्रीय कंपनियों, एफ़पीओ, एसएचजी और उद्योग जगत के नेताओं के बीच नेटवर्किंग की सुविधा प्रदान करता है, जबकि फूड फेस्ट छात्र स्टार्टअप और स्थानीय खाद्य उद्यमियों द्वारा तैयार किए गए विविध व्यंजनों का जश्न मनाता है। स्टार्टअप और टेक शो में अभूतपूर्व कृषि नवाचारों पर प्रकाश डाला गया है, और उद्योग प्रदर्शनी में अत्याधुनिक मशीनरी और उन्नत कृषि तकनीकों का प्रदर्शन किया गया है।

गोंगुल-2025 में जैविक और प्राकृतिक खेती शो के माध्यम से टिकाऊ खेती पर भी जोर दिया गया है, जिसमें जैव-इनपुट पर ध्यान केंद्रित किया गया है, और औषधीय और सुगंधित पौधों के शो में हिमालयी हर्बल खजाने की खोज की गई है। प्रसंस्कृत उत्पाद प्रदर्शनी में मूल्य-वर्धित और विविधतापूर्ण कृषि उत्पाद प्रदर्शित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, बीज प्रदर्शनी और रोपण सामग्री प्रदर्शनी में किसानों और बागवानी के शौकीनों के लिए प्रीमियम गुणवत्ता वाले बीज और पौधे उपलब्ध कराए जाते हैं।

सकीना इत्तू ने लम्मेर, चौगाम गांवों में एनटीपीएचसी का उद्घाटन किया

कुलगाम 23 फरवरी। स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने कुलगाम का दौरा किया और जिले के लम्मेर और चौगाम गांवों में दो नवनिर्मित नए प्रकार के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवनों का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर विधायक देवसर पीरज़ादा फ़िरोज़ अहमद शाह, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएँ कश्मीर, अतिरिक्त उपायुक्त, सहायक आयुक्त राजस्व, स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी उपस्थित थे।

इन स्वास्थ्य सुविधाओं के उद्घाटन के बाद सभा को संबोधित करते हुए, मंत्री ने पूरे जम्मू और कश्मीर में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने के लिए उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। सकीना ने कहा, हमारी सरकार वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल की कमियों को पाटने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं हर दरवाजे तक पहुंचें, जिससे दूर-दराज के अस्पतालों पर लोगों की निर्भरता कम हो।

मंत्री ने सभी के लिए, विशेषकर दूरदराज के गांवों में, सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व को रेखांकित किया। ये स्वास्थ्य केंद्र इन गांवों के साथ-साथ आस-पास के क्षेत्रों के लोगों को आवश्यक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने में प्रमुख भूमिका निभाएंगे। ये केंद्र यह भी सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी समय पर चिकित्सा देखभाल से वंचित न रहे। मंत्री ने आगे बताया कि वर्तमान सरकार का ध्यान सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि सार्वजनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं अधिक सुलभ और बेहतर ढंग से सुसज्जित हों।

62 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई है महाकुम्भ में पावन डुबकी

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अब तक 62 करोड़ श्रद्धालु संगम की त्रिवेणी में स्नान कर चुके हैं और आने वाले दिनों में यह संख्या और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि पूरी व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन सरकार और जनता की सहभागिता का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति ही विश्व की

दुनिया में कोई ऐसा मत, मजहब या संप्रदाय नहीं, जहां निश्चित समय पर इतनी बड़ी संख्या में लोग अपनी आस्था व्यक्त करने के लिए एकत्र होते हों। महाकुम्भ सनातन धर्म की दिव्यता और विराटता का प्रतीक है।

सीएम योगी ने आश्वस्त किया कि सनातन धर्म और महाकुम्भ से जुड़े हर आयोजन को भव्यता प्रदान करने के लिए उनकी सरकार संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म से जुड़े किसी भी आयोजन के लिए हम पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे, जिससे यह आयोजन सफलता की नई ऊंचाइयों को छू सके।

शंकराचार्य ने की महाकुम्भ की सराहना

शंकराचार्य शंकर विजयेन्द्र सरस्वती जी ने महाकुम्भ की आदर्श संस्कृति है और महाकुम्भ इसका जीवंत प्रमाण है। शंकराचार्य ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस बात के लिए भी सराहना की कि प्रयागराज के प्राचीन नाम को उन्होंने दोबारा स्थापित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कुम्भ राष्ट्र को दिशा देता है। चाहे श्रीराम मंदिर के निर्माण का अभियान हो या देश में सनातन धर्म को शक्ति देने वाली सरकार हो, कुम्भ राष्ट्र को मार्ग दिखाता है। शंकराचार्य ने महाकुम्भ को एकता का कुम्भ बताते हुए इसे अद्वैत कुम्भ कहा।

इस अवसर पर श्री शंकरपुर पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्रीकृष्णानंद तीर्थ और महामंडलेश्वर संतोषाचार्य जी महाराज 'सतुआ बाबा' सहित बड़ी संख्या में संतगण उपस्थित रहे।

बॉलीवुड सिंगर मोहित चौहान के गीतों संग होगा 'संस्कृति का महाकुम्भ'

***लखनऊ/महाकुम्भ नगर, 23 फरवरी:** महाकुम्भ में 26 फरवरी को महाशिवरात्रि का स्नान है। इसके पहले सोमवार को बॉलीवुड सिंगर मोहित चौहान के गीतों संग संस्कृति का महाकुम्भ होगा। संस्कृति ग्राम, गंगा-यमुना पंडाल, त्रिवेणी पंडाल व अहिल्या बाई होल्कर पंडाल समेत सभी मंचों पर सांस्कृतिक आयोजन होंगे। कहीं सुरों की सरिता तो उत्तर प्रदेश के लोकनृत्य की बयार बहेगी। कहीं रामलीला का मंचन होगा तो कहीं शबरी की प्रतीक्षा को दर्शाएंगे कलाकार। यहां उत्तर प्रदेश की अनेक संस्कृतियों संग देश की संस्कृतियों का भी समागम होगा। कथक, भरतनाट्यम, भजन, लोकगायन-लोकनृत्य से भी महाकुम्भ की सांझ सजेगी।

संस्कृति ग्राम व गंगा पंडाल: मोहित चौहान के गीतों का छाएगा जादू

सोमवार को संस्कृति ग्राम में बॉलीवुड सिंगर मोहित चौहान के गीतों में श्रोता आनंद गंगा की डुबकी लगाएंगे। वहीं गंगा पंडाल में पुणे की सुचेता भिड़े चापेकर ओडिसी नृत्य पर प्रस्तुति देंगी। पश्चिम बंगाल के आनिंदो चटर्जी को भी योगी सरकार मंच मुहैया करा रही है। महाकुम्भ की सांझ में वे अपने तबला वादन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगे। गंगा पंडाल पर ही उत्तर प्रदेश की अपर्णा यादव भजनों की प्रस्तुति देंगी।

अहिल्या बाई होल्कर मंच: शबरी की प्रतीक्षा और रामलीला का मंचन देख सकेंगे दर्शक

संगम सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था प्रयागराज की तरफ से अहिल्या बाई होल्कर मंच पर शबरी की प्रतीक्षा नाट्य प्रस्तुति होगी। इसका निर्देशन सुबोध कुमार सिंह ने किया है। वहीं भोपाल के लिटिल बैल थियेटर की ओर से रामायण की प्रस्तुति होगी। मथुरा के खेमचंद्र यदुवंशी व उनकी टीम रामलीला का मंचन करेगी। इस मंच पर ही पंडित धर्मराज मिश्र, लखनऊ की डॉ. विनीता सिंह का भजन गायन होगा। साथ ही जौनपुर की साधनी सुदामा भजन व लोकगायन की प्रस्तुति देंगी।

यमुना पंडाल: शाम चार से रात्रि 8 बजे तक होंगे लोकगायन व लोकनृत्य की प्रस्तुतियां

सोमवार को यमुना पंडाल पर भी अनेक कार्यक्रम होंगे। यहां शाम चार से रात्रि 8 बजे तक लोकगायन व लोकनृत्य से जुड़ीं विविध प्रस्तुतियां होंगी। इस मंच पर प्रयागराज के लोक कलाकार अभयराज यादव, मीरजापुर की रेखा रानी गौड़, प्रयागराज के जगदीश यादव, चंदौली के घनश्याम शुक्ला, मेरठ की रुचिका सिंह, मीरजापुर की कल्पना गुप्ता, गोरखपुर के अनिकेत का लोकगायन होगा। वहीं लखनऊ की ऋचा जोशी लोकनृत्य के जरिए दर्शकों को अपनी प्रस्तुति से भावविभोर करेंगी।

बिरसा मुंडा पंडाल त्रिवेणी मंच: कथक, भरतनाट्यम लोकनृत्य से भारतीय संस्कृति का होगा दीदार

त्रिवेणी मंच पर भी भारतीय संस्कृति की बयार बहेगी। यहां उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। कानपुर के शुभम वाजपेयी तालवाद्य वृंद वादन करेंगे तो लखनऊ के ज्ञानेंद्र दत्त वाजपेयी का भरतनाट्यम होगा। लखनऊ की डॉ. पूनम श्रीवास्तव का लोकगायन इस मंच पर होगा, जबकि कानपुर की डॉ. संगीता श्रीवास्तव का कथक व लखनऊ के डॉ. मनोज मिश्र तालवाद्य वृंदवादन करेंगे।

विश्व के आधे से अधिक सनातन धर्मावलंबी लगा चुके है महाकुम्भ में डुबकी : मुख्यमंत्री

महाकुम्भ नगर, 23 फरवरी।* मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को महाकुम्भ नगर में पहुंचकर साधु-संतों से भेंट की। उन्होंने कहा कि प्रयागराज महाकुम्भ में अब तक विश्व के आधे से अधिक सनातन धर्मावलंबी स्नान कर चुके हैं, जो सनातन संस्कृति की अद्वितीय आस्था और शक्ति को दर्शाता है। मुख्यमंत्री सबसे पहले विष्णुस्वामी संप्रदाय की सतुआ बाबा पीठ पहुंचे, जहां उन्होंने महामंडलेश्वर संतोषाचार्य जी महाराज 'सतुआ बाबा' से भेंट की। इसके बाद वे श्री कांची कामकोटि पीठ के शिविर में पहुंचे और शंकराचार्य श्री शंकर विजयेन्द्र सरस्वती जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने कांची पीठ के पूर्व शंकराचार्य जयेन्द्र सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर आरती उतारी। वहीं शंकराचार्य श्री शंकर विजयेन्द्र सरस्वती ने महाकुम्भ की व्यवस्थाओं के लिए मुख्यमंत्री की प्रशंसा की और 60 करोड़ से अधिक सनातनियों के महाकुम्भ में स्नान करने को भी सराहा।

सीएम योगी ने कांची कामकोटि पीठ के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि इस पूज्य पीठ की परंपरा ने सनातन धर्म के जनजागरण और अभिवृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि जब भी सनातन धर्म के सामने कोई संकट आया, कांची पीठ ने आगे बढ़कर उसका समाधान किया। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन हो या नेपाल संकट, इस पीठ ने सदैव धर्म की रक्षा के लिए प्रयास किए हैं।

जत्रोफा लगभग 175 प्रजाति की वनस्पतियों का समूह

सी एम शर्मा

जत्रोफा लगभग 175 प्रजाति की वनस्पतियों का समूह है जिसमें झाड़ियां और पौधे सम्मिलित हैं। इसके पौधे भारत, अफ्रिका, उत्तरी अमेरिका और कैरेबियन् जैसे ट्रापिकल क्षेत्रों में उत्पन्न होते हैं। यह एक बड़ा पादप है जो झाड़ियों के रूप में अर्द्ध शुष्क क्षेत्रों में उगता है।

इस पादप से प्राप्त होने वाले बीजों में 25-30 प्रतिशत तक तेल निकाला जा सकता है। इस तेल से कार आदि चलाये जा सकते हैं तथा जो अवशेष बचता है उससे बिजली पैदा की जा सकती है। जत्रोफा अनावृष्टि-रोधी सदाबहार झाडी है। यह कठिन परिस्थितियओं को भी झेलने में सक्षम है।

एक समय था जब जम्मू, साम्बा, कठुआ और उधमपुर में भी जट्रोफा के पौधे लगाने की होड़ शुरू की गई थी परन्तु हमारी सरकारों की विशेषता है की कार्य जल्दबाज़ी में शुरू हो कर बीच रास्ते में ही बंद कर दिए जाते हैं। जट्रोफा के साथ भी ऐसा ही हुआ। जट्रोफा से बायो-डीज़ल प्राप्त करने की बातें भी बहुत बड़े पैमाने पर चलीं लेकिन यूँ लगता है कि किसी भावावेश अथवा दबाव में इन्हें ठप्प कर दिया गया। इस पर गौर करने की ज़रुरत है। इस बात की गंभीरता यहां से ज़ाहिर होती है कि भारत में इसे व्यापक तौर पर बढ़ावा देने के सभी फीचर्स मौजूद हैं फिर यह थम क्यों गया। यदि कोस्टा-रीका जैसे देशों में यह सफल रहा तो भारत में क्यों नहीं।

खैर, जट्रोफा के बारे में कुछ जानकारी आपके लिए यहां-वहां से इकट्ठा की गई हैं जो आपके साथ साझा कर रहे हैं।

जम्मू में मुठी के स्थान पर रणबीर नहर के किनारे बाईं ओर लगाए गए जट्रोफा के 15 वर्ष आयु के पौधे। सर्दियों के बाद दुबारा हरे भरे होने को तैयार।

इसके बीज सस्ते हैं

बीजों में तेल की मात्रा बहुत अधिक है (लगभग 37%)

इससे प्राप्त तेल का ज्वलन ताप (फ्लैश प्वाइंट) अधिक होने के कारण यह बहुत सुरक्षित भी है।

1.05 किग्रा जत्रोफा तेल से 1 किग्रा बायोडिजल पैदा होता है।

जत्रोफा का तेल बिना रिफाइन किये हुए भी इंधन के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

जत्रोफा का तेल जलाने पर धुआंरहित स्वच्छ लौ पैदा करता है।

थोडे ही दिनों लगभग दो वर्ष में इसके पौधे से फल प्राप्त होने लगते हैं

उपजाऊ भूमि और खराब उसर भूमि भूमि, दोनो पर इसकी

उपज ली जा सकती है

कम वर्षा के क्षेत्रों 200 मिमी और अधिक वर्षा के क्षेत्रों, दोनों में यह जीवित रहता और फलता-फूलता है

वहां भी इसकी पैदावार ली जा सकती है जहां दूसरी फसलें नही ली जा सकतीं।

इसे नहरों के किनारे, सडकों के किनारे या रेलवे लाइन के किनारे भी लगा सकते हैं।

यह कठिन परिस्थितियों को भी सह लेता है।

इसकी खेती के लिये किसी प्रकार की विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं होती।

इसके पौधे की उंचाई भी फल और बीज इकट्ठा करने की दृष्टि से बहुत उपयुक्त है - जमीन पर खडे होकर ही फल तोडे जा सकते हैं।

फल वर्षा ऋतु आरम्भ होने के पहले ही पक जाते हैं, इसलिये भी फल इकट्ठा करना आसान काम है।

इसके पौधा लगभग 50 वर्ष तक फल पैदा करता है। बार-बार फसल लगाने की आवश्यकता नहीं होती।

इसको लगाना आसान है, यह तेजी से बढता है और इसको देखरेख की बहुत कम जरूरत होती है।

इसको जानवर नही खाते और कीट नही लगते। इस कारण इसकी विशेष देखभाल नहीं करनी पडती।

किसी भी पसल का प्रतिस्पर्धी नहीं है, बल्कि यह उन फसलों की पैदावार बढाने में मदद करता है।

जत्रोफा के करीब 1600 उपयोग गिनाये गये हैं।

इसके पौधे भू-क्षरण रोकने के लिये भी काम आते हैं

जत्रोफा की जडें जमीन से फास्फोरस सोखने का कार्य करती हैं - इसका यह गुण अम्लीय भूमि के लिये वरदान है

अपने पूरे जीवन के दौरान जमीन पर पत्तियां गिराता है जो भूमि की उर्वरा-शक्ति को बढाती हैं

इसके बीजों से तेल निकालने के बाद जो खली बचती है वह उच्च कोटि की जैविक खाद है (नाइट्रोजन से भरपूर)। इसे जानवरों को भी खिलाया जा सकता है क्योकि यह प्रोटीन से भरपूर होती है।

जानवर और कीडे इससे प्राकृतिक रूप से ही दूर भागते हैं। इसलिये इसका उपयोग बागों और खेतों की रक्षा के लिये चारदीवारी के रूप में भी किया जाता है।

इसके बीजों को पीसने पर जो तेल प्राप्त होता है उससे -

वाहनों के लिये बायोडिजल बनाया जा सकता है (बायोडिजल शत-प्रतिशत नवीनीकरणीय स्रोतों से बनाया जाता है। यह परम्परागत इंधनो का एक स्वच्छ विकल्प है। इसको भविष्य का इंधन माना जा रहा है। बायोडीजल में पट्रोलियम नहीं होता किन्तु इसे सम्यक अनुपात में पेट्रोलियम में मिलाकर विभिन्न प्रकार की गाडियों में प्रयोग किया जा सकता है। बायोडीजल विषैला नही होता; यह बायोडिग्रेडेबल भी है। बायोडिजल वानस्पतिक तेलों से प्राप्त अन्य वैकल्पिक इंधनों से भिन्न है। बायोडीजल को बिना किसी परिवर्तन किये ही डीजल इंजनों में प्रयोग कर सकते हैं जबकि वनस्पति तेलों से प्राप्त इंधनों को केवल इग्निशन कम्बस्शन वाले इंजनों में ही प्रयोग ला सकते हैं और वह भी कुछ परिवर्तनों के बाद। इस कारण, बायोडिजल प्रयोग में सर्वाधिक आसान इंधनों में से एक है। और सबसे अच्छी बात यह है कि खेती में काम आने वाले उपकरणों को चलाने के लिये सबसे उपयुक्त है। बायोडिजल जिस प्रक्रिया द्वारा निर्मित किया जाता है उसे ट्रान्स-इस्टरीकरण कहा जाता है। इस प्रक्रिया में वनस्पति तेल या वसा से ग्लीसरीन को निकालना होता है। इस प्रक्रिया में मेथिल इस्टर और ग्लीसरीन आदि सह-उत्पादभी मिलते हैं। बायोडीजल में सल्फर और अरोमैटिक्स नहीं होते जो कि परम्परागत इंधनों में पाये जाते हैं। बायोडिजल के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि यह दूसरे इंधनों की भांति पर्यावरण के लिये हानिकारक नहीं है। इसके अलावा यह ऐसे स्रोतों से प्राप्त होता है जो पुन: नवीन किये जा सकते हैं। परम्परागत इंधनों की तरह यह प्रदूषण करने वाला धुवां नही पैदा करता।

सीधे लालटेन में डालकर जलाया जा सकता है

इसे जलाकर भोजन पकाने के काम में लिया जा सकता है

इसके तेल के अन्य उपयोग हैं - जलवायु संरक्षण, वार्निश, साबुन, जैव कीट-नाशक आदि

इसके फूल और तने औषधीय गुणों के लिये जाने जाते हैं।

इसकी पत्तियां घाव पर लपेटने (ड्रेसिंग) के काम आती हैं।

इसके अलावा इससे चर्मरोगों की दवा, कैंसर, बाबासीर, ड्राप्सी, पक्षाघात, सर्पदंश, मच्छर भगाने की दवा तथा अन्य अनेक दवायें बनती हैं।

इसके छाल से गहरे नीले रंग की डाई और मोम बनायी जा सकती है।

इसकी जडों से पीले रंग की डाई बनती है।

इसका तना एक निम्न-श्रेणी की लकडी का भी काम करता है। इसे जलावनी लकडी के रूप में प्रयोग किया जाता है।

जत्रोफा अक्षय उर्जा का एक प्रमुख साधन बन सकता है।

भारत जैसे देशों की जीवाश्म इंधन पर निर्भरता समाप्त करके आत्मनिर्भर बना सकता है।

इसकी खेती और उपयोग के लिये कोई तकनीक नही चाहिये; प्रसंस्करण की सारी की सारी जरूरतें एक गांव में ही पूरी की जा सकती हैं।

इसके विपरीत इसकी खेती श्रम-प्रधान होने के कारण भारत जैसे अधिक जनसंख्या वाले देशों के लिये बहुत उपयुक्त है।

इसकी खेती से महिलाओं, बृद्धों, बच्चों, गरीब और अशिक्षित जनता को भारी मात्रा में रोजगार मिलेगा जिससे गरीबी उन्मूलन में मदद मिलेगी।

इससे कृषि पर आधारित उद्योगों को बढावा मिलेगा।

एक तरफ जहां जत्रोफा को एक वरदान की तरह माना जा रहा है, कुछ लोग बडे पैमाने पर इसकी खेती का विरोध भी कर रहे हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्रालय अब राज्य सरकारों की मदद से इस पर विभिन्न संस्थानों के जरिए शोध को आगे बढ़ाने में लगा है। साथ ही यह कारण भी खोजा जा रहा है कि जेट्रोफा के अंदर ऐसा क्या है जो सभी तकनीकों के प्रति प्रतिरोध की क्षमता रखता है...